Reg. No. 162/91-92

R.N.I. No. 70914/92

बन्धुत्व-संदेश

वर्ष-36 | अंक-4-6 | अप्रैल-जून 2026

श्री विश्वकर्मा जांगिड कर्मचारी समिति

3/25, वरूण पथ, मानसरोवर, जयपुर - 302020

ई-मेल : svjkarmacharisamitijpr@gmail.com वेबसाइट : www.svjks.org

जांगिड ब्राह्मण समाज के कार्मिकों की अखिल भारतीय संस्था

सुभाष चंद शर्मा (प्रधान सम्पादक)

डॉ. दिनेश जांगिड 'सारंग' (सम्पादक)

कार्यकारिणी शपथ–ग्रहण समारोह की झलकियां

बन्धुत्व-संदेश

अखिल भारतीय स्तर पर विश्वकर्मा समाज के कार्मिकों के लिये एक सामाजिक पत्रिका

वर्ष-36 अंक-4-6 अप्रैल-जून

प्रधान संपादक

सुभाष चंद शर्मा
अध्यक्ष, श्री वि.जां.क.समिति

संपादक

डॉ दिनेश जांगिड 'सारंग'
महामंत्री, श्री वि.जां.क.समिति

उप-संपादक

कमल किशोर जांगिड
प्रचार मंत्री

सह-संपादक

सी.एल. जांगिड
सह-कोषाध्यक्ष

विज्ञापन दरें

अंतिम रंगीन पृष्ठ-30,000 रू
अंदर का पूरा पृष्ठ-10,000 रू
अंदर का आधा पृष्ठ-5100 रू
अंदर का चौथाई पृष्ठ-3000 रू
आजीवन सदस्यता-2100 रू
एक प्रति मूल्य-50 रू

अस्वीकरण

इस पत्रिका में प्रकाशित सभी लेख एवं रचनाएं रचनाकारों के अपने विचार हैं। संपादक मंडल का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है।

अनुक्रमणिका

वर्ष-36 अंक-4-6 अप्रैल-जून

क्र	विवरण	पृष्ठ संख्या
1	मुख्यमंत्री महोदय, राजस्थान का संदेश	3
2.	नेता प्रतिपक्ष, राजस्थान का संदेश	4
3.	महासभा प्रधान श्री रामपाल शर्मा का संदेश	5
4.	प्रदेशाध्यक्ष श्री घनश्याम शर्मा का संदेश	6
5.	अध्यक्षीय संबोधन– सुभाष चंद शर्मा	7
6.	संपादकीय– डॉ दिनेश जांगिड 'सारंग'	9
7.	कर्मचारी समिति द्विवार्षिक चुनाव समाचार	11
8.	श्री शंकर कुलरिया का समिति प्रांगण में स्वागत	13
9.	नई कार्यकारिणी द्वारा कार्यभार ग्रहण	14
10.	समिति की वेबसाइट का उद्घाटन	15
11.	सचिवालय कार्मिक अभिनंदन समारोह	16
12.	समिति कार्यकारिणी शपथ–ग्रहण समारोह	17
13.	प्रथम अखिल राजस्थान विश्वकर्मा सामान्य ज्ञान परीक्षा	19
14.	चिकित्सा प्रकोष्ठ स्नेह मिलन	23
15.	प्रथम कार्यकारिणी बैठक कार्यवृत्त	24
16.	द्वितीय कार्यकारिणी बैठक कार्यवृत्त	26
17.	तृतीय कार्यकारिणी बैठक कार्यवृत्त	28
18.	चतुर्थ कार्यकारिणी बैठक कार्यवृत्त	30
19.	कार्यकारिणी तिमाही प्रगति रिपोर्ट	32
20.	बहु–आयामी व्यक्तित्व का निर्माण कैसे करें– डॉ रामबाबू शर्मा	33
21.	खुद को संभालो, दुनिया संभल जायेगी– आर एन अरविंद	35
22.	वाणी सभ्यता की परिचायक– मोहनलाल जांगिड	36
23.	ठोकरें इंसान को चलना सिखाती है– राधेश्याम भारतीय	37
24.	एक निवेदन– डॉ दिनेश 'सारंग'	38

सत्यमेव जयते

मुख्य मंत्री
राजस्थान

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि श्री विश्वकर्मा जांगिड कर्मचारी समिति, जयपुर द्वारा प्रकाशित की जाने वाली पत्रिका **'बंधुत्व संदेश'** का पुनः भौतिक संस्करण भी प्रकाशित किया जा रहा है।

श्री विश्वकर्मा जांगिड कर्मचारी समिति लंबे समय से समाज हित एवं कार्मिक कल्याण का कार्य कर रही है। समाजोपयोगी होना ही किसी संस्था का सबसे बड़ा लक्ष्य होना चाहिए। संस्था की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को भी मैं सफलता की शुभकामनाएं देता हूं।

आशा करता हूं कि श्री विश्वकर्मा जांगिड कर्मचारी समिति अपने समाजहित के कार्य को यूं ही निरंतर संपादित करती रहेगी। मैं पत्रिका के सफल प्रकाशन की कामना करता हूं।

(भजन लाल शर्मा)

टीकाराम जुली
नेता प्रतिपक्ष

कमरा नं. 131-132
राजस्थान विधानसभा, जयपुर
टेलीफैक्स : 0141-2744325
मो. नं. 7014164477

सत्यमेव जयते

शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर अत्यंत हर्ष हो रहा है कि श्री विश्वकर्मा जांगिड कर्मचारी समिति समाज एवं कर्मचारी हितों के संरक्षण तथा उनके सर्वांगीण विकास हेतु निरंतर समर्पित भाव से कार्य कर रही है। समिति द्वारा प्रकाशित किया जा रहा मुख-पत्र,बंधुत्व-संदेश न केवल संगठन की गतिविधियों का प्रतिबिंब बनेगा, बल्कि समाज की प्रतिभाओं, विचारों एवं रचनात्मक अभिव्यक्तियों को भी एक सशक्त मंच प्रदान करेगा।

विश्वकर्मा समाज अपनी कर्मठता, कौशल, सृजनशीलता एवं सामाजिक मूल्यों के लिए सदैव सम्मानित रहा है। ऐसे में समाज के कर्मचारियों को संगठित करने, उनमें जागरूकता एवं आपसी सहयोग की भावना को सुदृढ़ बनाने तथा उनके हितों की प्रभावी पैरवी करने में समिति की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह प्रकाशन समाज में एकता, बंधुत्व एवं सकारात्मक चिंतन को और अधिक सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

हाल ही में निर्वाचित समिति की नई कार्यकारिणी को मैं हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ। मुझे विश्वास है कि नवगठित टीम संगठन की गौरवशाली परंपराओं को आगे बढ़ाते हुए समाज एवं कर्मचारी हितों के लिए निष्ठापूर्वक कार्य करेगी तथा नई ऊँचाइयों को प्राप्त करेगी।

मैं बंधुत्व-संदेश के सफल प्रकाशन एवं श्री विश्वकर्मा जांगिड कर्मचारी समिति के उज्ज्वल भविष्य के लिए अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

सादर शुभकामनाओं सहित

(टीकाराम जूली)
नेता प्रतिपक्ष
राजस्थान विधानसभा,जयपुर

निवास : 385-ए, सिविल लाईन, जयपुर - 302005

॥ श्री विश्वकर्मणे नमः ॥

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा

नई दिल्ली

रामपाल शर्मा

प्रधान

शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकारी प्राप्त हुई है कि श्री विश्वकर्मा जांगिड कर्मचारी समिति, जयपुर के द्विवार्षिक अध्यक्षीय चुनाव निर्विरोध संपन्न हुए। सामाजिक सौहार्द एवं एकता की भावना को मजबूती प्रदान करने के लिये कर्मचारी बंधुओं ने श्री सुभाष शर्मा को निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित किया।

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हुई है कि नवनिर्वाचित अध्यक्ष एवं उनकी कार्यकारिणी ने श्री विश्वकर्मा जांगिड कर्मचारी समिति की पत्रिका 'बंधुत्व संदेश' को पुनः प्रकाशित करने एवं उसे सभी सदस्यों तक प्रेषित करने का निर्णय लिया है जो बहुत ही सराहनीय है। इस कदम से एक ओर जहां समिति की गतिविधियों से समाज बंधु एवं कर्मचारीगण अवगत हो सकेंगे वहीं दूसरी तरफ विद्वान अधिकारियों-कर्मचारियों के प्रेरणादायी विचारों से भी हम लाभान्वित हो सकेंगे।

मैं समिति की समस्त नवनिर्वाचित एवं नव-नियुक्त कार्यकारिणी को बधाई देते हुए समिति के उज्ज्वल भविष्य के लिये शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं।

सादर शुभकामनाओं सहित

(रामपाल शर्मा)

।। श्री विश्वकर्मणे नमः ।। (रजि. नं. : एस-27/1919)

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा

प्रदेश सभा – राजस्थान

प्रदेश कार्यालय : 2/।, सेक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302 039

Website : https : //abjbm.com e-mail : abjb.mahasabha.rajasthan@gmail.com

प्रदेश अध्यक्ष
घनश्याम शर्मा (पंवार)
मो. 98290 52920

कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष
गजानन्द जांगिड
मो. 98297 27279

प्रदेश महामंत्री
कैलाश शर्मा (साली वाले)
मो. 98290 62211

क्रमांक : प्र.स. राज. 2025-26/646

दिनांक 16/6/2026

शुभकामना सन्देश

श्री विश्वकर्मा जांगिड कर्मचारी समिति, मानसरोवर, जयपुर की प्रतिष्ठित पत्रिका "बंधुत्व सन्देश" का पुन: प्रकाशन आरम्भ होना एक सुखद समाचार है. इसके प्रकाशन पर हार्दिक बधाई और शुभकामना.

श्री विश्वकर्मा जांगिड कर्मचारी समिति की नवीन कार्यकारिणी के गठन एवं शपथ ग्रहण कार्यक्रम में ही यह परिलक्षित हो गया था कि अब पुन: इस संस्था के स्वर्णिम युग का शुभारम्भ हो रहा है. जिस तरह से नवनियुक्त अध्यक्ष श्री सुभाष जी ने अपनी कार्यकारिणी में योग्य एवं अनुभवी प्रतिभाओं को सम्मिलित किया है, यह संस्था के लिए गर्व की बात है. संस्था के सचिव श्री दिनेश जी 'सारंग' का होना अपने आप में एक प्रतिष्ठा का विषय है.

हमें आशा है कि "बंधुत्व सन्देश" सामाजिक समाचार, ज्ञानवर्धक लेख और उपयोगी जानकारियों से पत्रिका पठनीय और रोचक तो होगी ही साथ ही इसके प्रकाशन में निरंतरता रहेगी.

पुन: मैं इस पत्रिका के प्रकाशन पर बधाई और उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना प्रेषित करता हूँ.

जय श्री विश्वकर्मा !

शुभेच्छु

Ghanshyam Sharma

घनश्याम शर्मा पंवार

प्रदेश अध्यक्ष

प्रिय बंधुओं एवं बहनों,

सादर नमस्कार,

श्री विश्वकर्मा जांगिड कर्मचारी समिति के अध्यक्ष के रूप में आप सभी से संवाद करते हुए मुझे गर्व के साथ-साथ एक गहरा दायित्व भी अनुभव होता है। हमारा समाज केवल व्यक्तियों का समूह नहीं, बल्कि एक सजीव परंपरा, समृद्ध कौशल, साझा मूल्यों और सामूहिक चेतना का सशक्त स्वरूप है। यह वह अमूल्य धरोहर है, जिसे हमारे बुजुर्गों ने अपने परिश्रम, त्याग, अनुशासन और दूरदर्शिता से निर्मित किया है और जिसे और अधिक सशक्त बनाकर आगे बढ़ाना हमारा नैतिक कर्तव्य है। सबसे पहले, मैं हमारे समाज के वरिष्ठजनों के प्रति अपनी गहरी श्रद्धा और कृतज्ञता व्यक्त करता हूँ। उनके अनुभव, उनके संघर्ष और उनके सतत प्रयासों ने हमें एक मजबूत आधार दिया है। जिस समाज की जड़ें अनुभव में गहरी होती हैं, वही समाज समय की आँधियों में भी अडिग रहता है। आज का समय हमें यह स्पष्ट संकेत देता है कि केवल व्यक्तिगत उपलब्धियों से समाज आगे नहीं बढ़ता, बल्कि संगठित प्रयास, सामूहिक सोच और सुनियोजित कार्यप्रणाली ही स्थायी प्रगति का मार्ग प्रशस्त करते हैं। संगठन की मजबूती उसके ढाँचे में नहीं, बल्कि उसके सदस्यों की प्रतिबद्धता में होती है। हमें "मैं" से ऊपर उठकर "हम" की भावना को अपनाना होगा, क्योंकि अकेले प्रयास सीमित परिणाम देते हैं, पर सामूहिक प्रयास इतिहास रचते हैं।

हमारी एक अत्यंत महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है - समाज की संपत्तियों का संरक्षण, पारदर्शी प्रबंधन और दीर्घकालिक संधारण। ये संपत्तियाँ केवल भौतिक संसाधन नहीं, बल्कि हमारी पहचान और वर्षों के परिश्रम का प्रतीक हैं। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि इनका स्पष्ट अभिलेख हो, उपयोग पारदर्शी हो और किसी प्रकार का अवैध कब्जा या दुरुपयोग न हो सके। इसके लिए सशक्त नियम, सामूहिक निगरानी और जिम्मेदार व्यवस्था विकसित करना आवश्यक है। जो समाज अपनी धरोहर की रक्षा करता है, वही अपने भविष्य को सुरक्षित करता है।

किसी भी समाज का वास्तविक भविष्य उसकी आने वाली पीढ़ी में निहित होता है। यदि हम एक सशक्त, जागरूक और सम्मानित समाज का निर्माण करना चाहते हैं, तो हमें अपनी युवा पीढ़ी के शिक्षा और संस्कार निर्माण पर विशेष ध्यान देना होगा। केवल शिक्षा पर्याप्त नहीं है, बल्कि शिक्षा के साथ संस्कार का संतुलन भी उतना ही आवश्यक है। ज्ञान व्यक्ति को सक्षम बनाता है और संस्कार उसे श्रेष्ठ बनाते हैं। शिक्षा से बुद्धि विकसित होती है, और संस्कार से चरित्र निर्माण होता है। इसी क्रम में महिला शिक्षा और संस्कार निर्माण को विशेष प्राथमिकता देना समय की आवश्यकता है। एक शिक्षित और संस्कारित महिला केवल स्वयं को ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को दिशा देती है; वह आने वाली पीढ़ी की प्रथम शिक्षिका होती है और उसके संस्कारों की छाप पूरे समाज पर दिखाई देती है। यदि एक पुरुष शिक्षित होता है, तो एक व्यक्ति शिक्षित होता है; यदि एक महिला शिक्षित होती है, तो पूरा परिवार और समाज शिक्षित होता है। इसलिए यह आवश्यक है कि हमारी बेटियों को समान अवसर, सुरक्षा, प्रोत्साहन और मूल्यपरक शिक्षा मिले, जिससे वे आत्मविश्वासी, संस्कारित और सक्षम नागरिक बन सकें। संस्कारवान नारी ही सशक्त समाज की आधारशिला होती है।

अब समय आ गया है कि हम युवाओं को केवल प्रेरित ही न करें, बल्कि उन्हें जिम्मेदारी, विश्वास और नेतृत्व के अवसर भी प्रदान करें। हमें यह संकल्प लेना होगा कि आने वाले समय में हम योग्य, जागरूक और प्रतिबद्ध युवाओं को समाज की बागडोर सौंपने के लिए तैयार रहेंगे, ताकि अनुभव और ऊर्जा का संतुलित समन्वय समाज को नई ऊँचाइयों तक ले जा सके। अनुभव दिशा देता है, और युवा शक्ति उस दिशा को गति देती है।

यद्यपि हमारी संस्था एक सामाजिक संगठन है, परंतु हमारा दृष्टिकोण व्यापक होना चाहिए। हमारा सतत प्रयास रहेगा कि हम अन्य समाजों के साथ भी सौहार्दपूर्ण, सम्मानजनक और सहयोगात्मक संबंध बनाए रखें। आपसी समरसता और सहयोग ही व्यापक सामाजिक विकास की आधारशिला है, क्योंकि सच्ची उन्नति वही है, जो अपने साथ दूसरों को भी आगे बढ़ने का अवसर दे और सौहार्द वह सेतु है, जो समाजों को जोड़ता है और भविष्य को सशक्त बनाता है।

एक सशक्त समाज की पहचान उसके आपसी संबंधों, अनुशासन और कार्यसंस्कृति से होती है। जहाँ संवाद होता है, वहाँ समाधान होता है; जहाँ सम्मान होता है, वहाँ सहयोग होता है; और जहाँ सहयोग होता है, वहाँ प्रगति निश्चित होती है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि मतभेद रहें पर मनभेद न हों, विचार भिन्न हों पर लक्ष्य एक हो। विविधता समाज को समृद्ध बनाती है, और एकता उसे अटूट बनाती है।

हमारे भावी कार्यक्रम और योजनाएँ इसी सामूहिक दृष्टि को साकार करने की दिशा में केंद्रित रहेंगी

- रुकी हुई सदस्यता को पुनः सक्रिय कर उसे बढ़ाना, ताकि अधिक से अधिक नए युवा साथियों का समावेश हो सके।
- समिति के कार्यों का विस्तार यथा सम्भव जिला स्तर तक ले जाकर संगठन की पहुँच और प्रभाव को सुदृढ़ करना।
- विभिन्न विभागों एवं जिलों के सदस्यों के बीच इंटर-डिपार्टमेंट एवं इंटर-डिस्ट्रिक्ट समन्वय स्थापित करना।
- डिजिटल परिचयमाला के माध्यम से सदस्यों के बीच पहचान, संपर्क और संवाद को मजबूत बनाने का उद्देश्य रहेगा।
- परिसर के भवन की चौथी मंज़िल पर RCC छत निर्माण कर छात्रावास के विद्यार्थियों के लिए आधुनिक लाइब्रेरी एवं कम्युनिटी कॉन्फ्रेंस हॉल तैयार करवाने का प्रयास रहेगा।
- लिफ्ट जैसी आवश्यक सुविधा को प्राथमिकता के साथ पूर्ण करने का प्रयास रहेगा।
- समसामयिक विषयों पर सेमिनार आयोजित करना, जिससे जागरूकता और बौद्धिक विकास हो।
- एजुकेशनल प्रतियोगिताओं का आयोजन कर विद्यार्थियों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और प्रतिभा का विकास करना।
- भविष्य के कैरियर को ध्यान में रखते हुए कैरियर काउंसलिंग की सुदृढ़ व्यवस्था करना।
- आयकर अधिनियम की धारा 80जी को पुनः बहाल कराने के प्रयास करना, ताकि अधिक से अधिक भामाशाह समाजहित में आगे आ सकें और आर्थिक सहयोग को बढ़ावा मिले।
- वर्ष में दो बार स्नेह मिलन सह गोठ का आयोजन कर आपसी परिचय, सहयोग और आत्मीयता को और अधिक सुदृढ़ करना।

अंततः, मैं आप सभी से विनम्र निवेदन करता हूँ कि हम इस संगठन को केवल एक संस्था के रूप में न देखें, बल्कि इसे एक सामूहिक संकल्प, एक सतत यात्रा और एक सामाजिक दायित्व के रूप में स्वीकार करें। आइए, हम मिलकर एक ऐसा समाज निर्मित करें जो अपने अतीत का सम्मान करता हो, वर्तमान को संगठित करता हो और भविष्य को शिक्षित, संस्कारित एवं सशक्त बनाता हो। एकता में केवल शक्ति ही नहीं, बल्कि उज्ज्वल भविष्य की संभावनाएँ भी निहित होती हैं तथा सामूहिक संकल्प ही समाज को दिशा, गति और स्थायित्व प्रदान करता है।

आप सभी के सहयोग, विश्वास और सक्रिय सहभागिता के लिए हृदय से आभार।

सादर : सुभाष शर्मा

अध्यक्ष - श्री विश्वकर्मा जांगिड़ कर्मचारी समिति, जयपुर

पुनः सवेरा....

देश भर के कार्मिकों के हितार्थ कार्य करने वाली श्री विश्वकर्मा जांगिड कर्मचारी समिति, मान सरोवर, जयपुर कदाचित एकमात्र संस्था है। इस संस्था का अपना एक मुखपत्र 'बंधुत्व-संदेश' के रूप में सन 1990-91 से कार्मिकों की एक आवाज के रूप में आप सभी के समक्ष प्रस्तुत होता रहा है। पिछले कुछ वर्षों से इस मुखपत्र का भौतिक प्रकाशन बंद था एवं यह आप लोगों के हाथों में कतिपय कारणों से नहीं पहुंच पाया था। 1 अप्रैल 2026 को जब नई कार्यकारिणी ने अपना कार्यभार ग्रहण किया तभी इस बात का ऐलान कर दिया गया था कि 'बंधुत्व-संदेश' पुनः एक बार आपके हाथों में होगा।

सन 1989 में श्री विश्वकर्मा जांगिड कर्मचारी समिति की नींव रखी गई और संस्थापक अध्यक्ष श्रीमान सूरजमल केड़वाल एवं उनके साथियों ने एक विचार एवं संकल्प के साथ एक बीज रोपा जो आज एक विशाल पौधा बन गया है। इस पौधे को सींचना एवं सदैव हरा-भरा रखने की जिम्मेदारी भी अब हम सबकी है।

हाल ही मैं श्री विश्वकर्मा जांगिड कर्मचारी समिति की नई कार्यकारिणी ने कार्यभार ग्रहण करते ही जो जो कार्य किये और जिस प्रकार से कार्यकारिणी अपना कार्य कर रही है, कम समय में ही यह स्पष्ट हो गया कि इस समिति का भविष्य बहुत उज्ज्वल है। नई कार्यकारिणी को जिस प्रकार से समाज बंधुओं का असीम प्यार और सहयोग मिल रहा है, वह अभूतपूर्व है।

बंधुत्व-संदेश इस समिति की एक सशक्त आवाज है। यह इस समिति के सदस्यों के लिये एक ऐसा मंच है जिससे वे अपनी सृजनशीलता को देश भर के समाज बंधुओं के समक्ष पहुंचा सकते हैं। साथ ही इस मुख-पत्र के माध्यम से समिति की गतिविधियों की जानकारी भी आप सब तक पहुंच सकती है।

हाल ही में समिति ने अपनी एक वेबसाइट भी आरंभ कर दी है। सभी सदस्यों के पास तो बंधुत्व संदेश भौतिक रूप से पहुंचेगी ही, वेबसाइट के माध्यम से डिजिटल रूप में भी यह देश के सभी समाज बंधुओं के पास पहुंच पायेगी। इस तरह

इस पत्रिका का प्रचार प्रसार भौतिक रूप एवं डिजिटल रूप, दोनों में हो सकेगा।

इस बार जब पत्रिका का प्रकाशन आरंभ करने का विचार किया तो सभी कार्मिक बंधुओं से लेख, विचार एवं अन्य रचनाएं आमंत्रित की गई थी लेकिन मात्र कुछेक रचनाकारों ने ही अपनी रूचि इसमें दिखाई। बंधुत्व-संदेश परिवार आपसे यह आग्रह करता है कि आप स्वयं या अपने परिवार के सदस्यों की रचनाएं हमें अब लगातार भेजते रहें ताकि आपकी रचनाशीलता मुखर हो और उसको एक मंच मिले। आपके परिवार के बच्चे भी अगर रचनाशील हैं और कुछ लिखते हैं तो उनकी रचनाओं का भी सादर अभिनंदन है। प्रत्येक योग्य रचना को यथायोग्य स्थान देने का प्रयास किया जायेगा। अतः इस मंच के माध्यम से देश भर में अपनी रचनाओं को पहुंचाने के अवसर का लाभ जरूर लें।

बंधुत्व-संदेश के कलेवर और उसमें प्रकाशित सामग्री पर आपके पत्रों का भी हम स्वागत करेंगे। इस पत्रिका के संबंध में आपके सुझावों को भी पत्रिका में उचित स्थान दिया जायेगा। यह पत्रिका आपके सुझावों एवं विचारों से ही दिनोदिन विकसित होगी। आप अपने विचार पत्र के माध्यम से, ई-मेल के माध्यम से या वाट्सएप्प के माध्यम से हमें कभी भी प्रेषित कर सकते हैं।

समाज में सामाजिक सेवा का कोई भी कार्य कोई भी व्यक्ति कभी अकेला नहीं कर सकता। किसी भी सफल कार्य के पीछे एक संगठित टीम का हाथ होता है। कुशल नेतृत्व एवं अनुशासित टीम असंभव को भी संभव कर सकते हैं। इस समिति को भी इस बार श्री सुभाष चंद शर्मा के रूप में एक कुशल और सुलझा हुआ सामाजिक कार्यकर्ता अध्यक्ष के रूप में मिला है जो समिति को एक नई ऊँचाई तक ले जाने के लिये कृत-संकल्प है। उन्होंने अपनी टीम में एक से बढ़कर एक कार्यकर्ता लिये हैं जो हरेक विभाग का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह कुशल टीम मात्र तीन महिनों में वो काम कर गई है जो कई लोग कई वर्षों में भी नहीं कर पाये।

श्री विश्वकर्मा जांगिड कर्मचारी समिति ने अपनी एक वेबसाइट भी बना दी है। इसलिये यह पत्रिका भौतिक रूप में तो आपके समक्ष रहेगी ही, इसका डिजिटल संस्करण भी इस वेबसाइट पर उपलब्ध रहेगा। साथ ही हम यह भी प्रयास करेंगे कि इस वेबसाइट पर अलग अलग समय पर समाज के प्रबुद्धजनों के डिजिटल आलेख भी छपते रहे ताकि हमारी नई पीढी वेबसाइट के माध्यम से यह आलेख पढ सके। साथ ही वेबसाइट पर कुछ उपयोगी जानकारियां भी समय समय पर हम देते रहेंगे।

नई कार्यकारिणी के अब तक के कम समय में किये गये कार्य एवं आपके हाथ में यह बंधुत्व-संदेश पत्रिका का होना यह दर्शा रहा है कि समिति के लिये एक नया सवेरा हुआ है, एक नई उम्मीद जगी है, एक नया सूरज निकला है जो इसे वो मुकाम हासिल करवायेगा जिसकी यह समिति हकदार हैं। नये सूरज के साथ इस नई यात्रा में हम आपका भी हार्दिक स्वागत करते हैं.... आप भी इस सफर के हमसफर बनें!!!

जय विश्वकर्मा

डॉ दिनेश जांगिड 'सारंग'
संपादक-बंधुत्व-संदेश
महामंत्री, श्री विश्वकर्मा जांगिड कर्मचारी समिति, जयपुर

श्री विश्वकर्मा जांगिड कर्मचारी समिति के द्विवार्षिक चुनाव संपन्न।

श्री विश्वकर्मा जांगिड कर्मचारी समिति 1989 में स्थापित भारतवर्ष में कार्यरत कार्मिकों के हितार्थ कार्य करने वाली एक संस्था है जिसका पंजीकरण सन 1991 में सहकारी संस्था के रूप में हुआ था। यह संस्था वर्तमान में 3/25, वरूण पथ, मानसरोवर, जयपुर स्थित कार्यालय से संचालित होती है।

इस संस्था के संविधान के अनुसार समिति अध्यक्ष का चुनाव हरेक दो वर्ष में संस्था के सदस्यों द्वारा किया जाता है। वित्तीय वर्ष 2026-28 तक के दो वर्ष के कार्यकाल के चुनाव के लिये एडवोकेट श्री बी सी रावत के नेतृत्व में एक चुनाव समिति बनाई गई और इस चुनाव समिति ने चुनाव का कार्यक्रम भी जारी कर दिया। इस कार्यक्रम के अनुसार दिनांक 8 मार्च 2026 को नामांकन भरने, नाम वापस लेने एवं फॉर्म की जांच का दिन तय किया गया। इससे पहले 22 फरवरी 2026 तक सदस्य बनने की अंतिम तारीख निर्धारित की गई। सदस्यता सूची 7 मार्च 2026 को समिति कार्यालय में चस्पा कर दी गई और पीडीएफ फॉर्मेट में सभी सदस्यों को भी उपलब्ध करवा दी गई।

8 मार्च 2026 को समिति के अध्यक्ष पद के लिये तीन फॉर्म भरे गये। श्री रमेश चंद्र शर्मा, डॉ दिनेश जांगिड 'सारंग' एवं श्री सुभाष चंद शर्मा ने अध्यक्ष पद के लिये नामांकन दाखिल किये। इसके पश्चात तीनों प्रत्याशियों ने आपसी सहमति से सामाजिक सौहार्द एवं समिति की परंपरा को ध्यान में रखते हुए विचार विमर्श किया और श्री रमेश चंद्र शर्मा एवं डॉ दिनेश जांगिड 'सारंग' ने समिति अध्यक्ष पद के लिये श्री सुभाष चंद शर्मा के समर्थन में अपना नाम वापस ले लिया। इस प्रकार श्री सुभाष चंद शर्मा निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित घोषित किये गये। इसी दिन चुनाव अधिकारी श्री बी सी रावत ने इस आशय का पत्र जारी कर दिया। सभागार में इस दिन 100 से अधिक सदस्य उपस्थित थे और सभी ने इस निर्णय का करतल ध्वनि से स्वागत किया। मुख्य चुनाव अधिकारी श्री बी सी रावत ने तत्पश्चात श्री सुभाष चंद शर्मा को अपने पद की शपथ भी ग्रहण करवाई।

श्री सुभाष चंद शर्मा ने इसी दिन श्री रमेश चंद्र शर्मा को कार्यकारी अध्यक्ष एवं डॉ दिनेश जांगिड 'सारंग' को समिति कार्यकारिणी का महासचिव नियुक्त किया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री सुभाष चंद शर्मा ने श्री रमेश चंद्र शर्मा एवं डॉ दिनेश जांगिड को अपने अपने पद की शपथ भी ग्रहण करवा दी।

इस अवसर पर निवर्तमान अध्यक्ष श्री ब्रजकिशोर शर्मा एवं उनकी कार्यकारिणी के साथी भी उपस्थित थे। सभी उपस्थित पदाधिकारियों एवं समाज बंधुओं ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री सुभाष चंद शर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष श्री रमेश चंद्र शर्मा एवं महामंत्री डॉ दिनेश जांगिड 'सारंग' का फूल मालाओं से अभिनंदन किया।

अपने संबोधन में नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री सुभाष चंद शर्मा ने सभी सदस्यों का उन पर किये गये विश्वास के लिये आभार प्रकट किया। साथ ही उन्होंने अपने कार्यकाल में किये जाने वाले मुख्य कार्यों और प्राथमिकताओं के बारे में भी सदस्यों को अवगत कराया। श्री शर्मा ने कहा कि समिति के सदस्यों की संख्या बढ़ाना, समिति के दोनों सभागारों को वातानुकूलित करवाना, बंधुत्व-संदेश पत्रिका का प्रकाशन प्रारंभ करना, समिति को पुनः 80-जी प्रमाण पत्र दिलवाना, समिति की एक वेबसाइट बनवाना, छात्रावास की व्यवस्थाएं और बेहतर करना, भूतल सभागार में ऑडियो सिस्टम लगवाना, समिति भवन के दूसरे तल पर निर्माण कार्य करवाना आदि उनकी प्राथमिकताएं रहेगी।

चुनाव अधिकारी श्री बी सी रावत ने बताया कि नवनिर्वाचित अध्यक्ष एवं उनकी कार्यकारिणी का कार्यकाल 1 अप्रैल 2026 से आरंभ होगा। अंत में सभी ने जलपान कर भगवान श्री विश्वकर्मा जी के जयकारे के साथ सभा का विसर्जन किया।

भामाशाह श्री शंकर कुलरिया का अभिनंदन

श्री विश्वकर्मा जांगिड कर्मचारी समिति द्वारा समिति के कार्यालय वरूण पथ, मानसरोवर पर गौलोकवासी संत श्री पदमाराम जी के सुपुत्र ख्यातनाम उद्यमी एवं भामाशाह श्री शंकर कुलरिया का विशेष अभिनंदन किया गया।

समिति के महामंत्री डॉ दिनेश जांगिड 'सारंग' द्वारा श्री शंकर कुलरिया के जयपुर आगमन पर उन्हें समिति के कार्यालय एवं भगवान विश्वकर्मा मंदिर में आमंत्रित किया गया जहां समिति के नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री सुभाष चंद शर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष श्री रमेश चंद्र शर्मा, उपाध्यक्ष श्री शंकर सुथार, पूर्व अध्यक्ष श्री सीताराम जांगिड, कोषाध्यक्ष श्री कैलाश चंद्र जांगिड, छात्रावास व्यवस्थापक श्री रामस्वरूप जांगिड, सह-कोषाध्यक्ष श्री छितर जांगिड, संयुक्त मंत्री श्री मुकेश जांगिड, श्री रमेश जांगिड, श्री रामनिवास जांगिड आदि ने उन्हे साफा एवं माला पहना कर उनका सम्मान किया।

श्री कुलरिया ने सबसे पहले भगवान विश्वकर्माजी के दर्शन कर पूजा अर्चना की एवं तत्पश्चात समिति के भवन, छात्रावास सहित पूरे परिसर का अवलोकन किया एवं समिति पदाधिकारियों को हर प्रकार के सहयोग के लिये आश्वासन दिया।

अध्यक्ष श्री सुभाष चंद शर्मा ने श्री शंकर कुलरिया के आगमन पर उनका हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया एवं उनके द्वारा बढ़ाये गये सहयोग के हाथ के लिये उनका संपूर्ण समिति की तरफ से आभार व्यक्त किया।

नई कार्यकारिणी द्वारा कार्यभार ग्रहण

श्री विश्वकर्मा जांगिड कर्मचारी समिति के 8 अप्रैल 2026 को हुए द्विवार्षिक चुनावों में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग में नर्सिंग प्राचार्य रहे श्री सुभाष चंद शर्मा को निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित किया गया था। श्री शर्मा ने समिति के संविधान प्रदत्त अपने अधिकारों का उपयोग करते हुए एक 30 सदस्यीय कार्यकारिणी का गठन किया जिसमें श्री रमेश चंद्र शर्मा को कार्यकारी अध्यक्ष, डॉ दिनेश जांगिड 'सारंग' को महामंत्री एवं श्री कैलाश चंद्र जांगिड को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया।

ज्ञात रहे कि 8 मार्च 2026 को श्री सुभाष चंद शर्मा के निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित होने के बाद मुख्य चुनाव अधिकारी ने श्री शर्मा को अध्यक्ष पद की शपथ ग्रहण करवा दी थी। साथ ही नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री सुभाष चंद शर्मा ने कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में श्री रमेश चंद्र शर्मा एवं महामंत्री के रूप में डॉ दिनेश जांगिड 'सारंग' को उसी दिन शपथ दिलवा दी।

इसके पश्चात श्री सुभाष शर्मा ने अपनी 30 सदस्यीय कार्यकारिणी की घोषणा की जिसमें 7 वरिष्ठ सदस्यों को विशेष आमंत्रित सदस्य भी मनोनीत किया गया।

दिनांक 1 अप्रैल 2026 को निवर्तमान अध्यक्ष श्री ब्रजकिशोर शर्मा एवं उनकी कार्यकारिणी ने नवीन कार्यकारिणी को कार्यभार ग्रहण करवाया। इस अवसर पर सभी औपचारिकताएं पूर्ण कर निवर्तमान कार्यकारिणी द्वारा दुपट्टा पहना कर नई कार्यकारिणी के सभी सदस्यों का स्वागत किया।

अध्यक्ष श्री सुभाष चंद शर्मा एवं महामंत्री डॉ दिनेश जांगिड 'सारंग' ने निवर्तमान कार्यकारिणी द्वारा समिति हित में किये गये कार्यों की सराहना की और समस्त सदस्यों की तरफ से उनका आभार प्रकट किया।

कर्मचारी समिति की वेबसाइट का शुभारंभ

श्री विश्वकर्मा जांगिड कर्मचारी समिति की वेबसाइट का शुभारंभ सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के आयुक्त आईएएस अधिकारी श्री राकेश शर्मा द्वारा किया गया।

आज के आधुनिक तकनीकी जमाने में किसी भी संस्था के लिये सूचनाओं एवं गतिविधियों के प्रचार प्रसार एवं अपने क्रियाकलापों की जानकारी देने के लिये वेबसाइट का होना आवश्यक हो गया है। 1 अप्रैल 2026 को श्री सुभाष चंद शर्मा के नेतृत्व में कार्यभार ग्रहण करते ही नई कार्यकारिणी ने वेबसाइट के कार्य को प्राथमिकता दी और मात्र कुछ ही दिनों की मेहनत के बाद समिति की स्थापना के बाद पहली बार वेबसाइट का शुभारंभ किया गया।

श्री राकेश शर्मा ने कहा कि इतने अल्प समय में नई कार्यकारिणी द्वारा वेबसाइट बनाकर शुभारंभ करना एक शुभ संकेत है और साथ ही आज के डिजीटल युग में यह वेबसाइट न केवल सभी कार्मिकों को जोड़ेगी बल्कि सभी समाज बंधुओं से भी सीधा संवाद स्थापित हो सकेगा।

इस अवसर पर समिति अध्यक्ष श्री सुभाष चंद शर्मा, संयुक्त मंत्री श्री मुकेश जांगिड एवं समिति सदस्य सहायक शासन सचिव श्री रामराज जांगिड भी उपस्थित रहे।

इस वेबसाइट में समिति का परिचय, उसके उद्देश्य, बंधुत्व संदेव पत्रिका, विभिन्न गतिविधियां, कार्यकारिणी का परिचय, पूर्व अध्यक्षों की जानकारी के साथ साथ ऑनलाइन सदस्यता प्रपत्र भी शामिल किया गया है। इस प्रपत्र द्वारा अब समाज का कोई भी कार्मिक ऑनलाइन सदस्यता के लिये आवेदन कर सकता है। अंतिम अनुमति कार्यकारिणी से मिलने के बाद फीस जमा होगी और फिर आजीवन सदस्यता नंबर और रसीद नंबर प्रदान किये जायेंगे।

अभी कुछ और नये फीचर आने बाकी है। कुछ पर अभी और काम चल रहा है। इस वेबसाइट को देखने और अपने सुझाव प्रेषित करने के लिये कृपया यहां क्लिक करें. **www.svjks.org**

शासन सचिवालय जयपुर में नव चयनित कार्मिकों का अभिनंदन

राजस्थान सरकार के शासन सचिवालय में नवनियुक्त कार्मिकों का स्वागत-सम्मान समारोह का आयोजन दिनांक 11 अप्रैल 2026 को श्री विश्वकर्मा जांगिड कर्मचारी समिति परिसर में संपन्न हुआ। नव-नियुक्त युवा कार्मिकों का स्वागत उनके ही वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारी समिति के प्रबुद्ध पदाधिकारियों द्वारा किया गया।

यह समारोह सचिवालय के सहायक शासन सचिव श्री रामराज जांगिड़ के संयोजन में समिति के आमंत्रण पर हुआ। सर्व प्रथम शासन सचिवालय के अधिकारी/ कर्मचारियों की तरफ से समिति के अध्यक्ष श्री सुभाष चंद शर्मा का सम्मान किया गया

तदुपरांत नव चयनित कर्मियों का गुलदस्ता एवं गिफ्ट भेंट कर अभिनंदन किया गया। समारोह में सचिवालय से श्री रामराज जांगिड, श्री गजानंद जांगिड ने उद्बोधन मे सभी नव युवकों को बधाईयाँ देते हुए अपने कार्य कौशल में निपुणता हासिल करने पर बल दिया। समिति उपाध्यक्ष श्री शंकर लाल सुथार ने सभी सचिवालय कर्मियों को समिति में सक्रियता से जुड़ने का आव्हान किया। मंच संचालन कार्यकारी अध्यक्ष श्री रमेश चंद्र शर्मा द्वारा किया गया। अध्यक्ष श्री सुभाष चंद शर्मा ने समिति के उद्देश्यो पर प्रकाश डालते हुए सभी को जुड़ने का आव्हान किया एवं समिति के मंदिर, भवन, छात्रावास के भविष्य के प्रबंधन हेतु युवाओं को जिम्मेदारी के लिए भी प्रोत्साहित किया। महामंत्री डॉ. दिनेश जांगिड 'सारंग' पश्चिम बंगाल में दार्जिलिंग में विधानसभा चुनाव ड्यूटी पर होने के उपरांत भी सभी व्यवस्थाओं का दूरभाष द्वारा प्रबंधन करवाते रहे और दूरभाष के माध्यम से सभी युवाओं को बधाईयाँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की एवं पधारे सभी गणमान्य जनों का आभार जताया।

कोषाध्यक्ष श्री कैलाश जांगिड, संयुक्त सचिव श्री मुकेश जांगिड व सह कोषाध्यक्ष श्री सी ऐल जांगिड़ द्वारा गरीमामय ढंग से सम्पूर्ण आयोजन किया गया।

सभी युवाओं ने समिति भवन का अवलोकन कर खुशी जाहिर की व सभी ने सक्रियता से समिति के सदस्य बनने व अन्य कार्मिक समाज बंधुओं को भी जोड़ने का उत्साह दिखाया। अंत में जलपान ग्रहण के साथ समारोह संपन्न हुआ।

श्री विश्वकर्मा जांगिड कर्मचारी समिति कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

अखिल भारतीय स्तर पर कार्मिकों के हितों के लिये कार्यरत संस्था श्री विश्वकर्मा जांगिड कर्मचारी समिति की नवगठित कार्यकारिणी का शपथ-ग्रहण समारोह दिनांक 10 मई 2026 को समिति के मानसरोवर स्थित कार्यालय के प्रांगण में बड़े ही भव्य तरीके से संपन्न हुआ।

8 मार्च 2026 को समिति के संविधान के अनुसार समिति के द्विवार्षिक चुनाव संपन्न हुए। इस चुनाव में श्री सुभाष चंद शर्मा को निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया गया। तत्पश्चात श्री सुभाष शर्मा ने अपनी नई कार्यकारिणी का गठन किया और इस कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह 10 मई 2026 को आयोजित किया गया।

इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में समिति के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व आईएएस श्री आर एन अरविंद मंचासीन रहे और उन्होंने ही कार्यकारिणी को पद एवं निष्ठा की शपथ दिलाई। समारोह अध्यक्ष के रूप में समिति के संस्थापक अध्यक्ष श्री सूरजमल केड़वाल उपस्थित रहे। मंचासीन विशिष्ट अतिथियों में कोलकाता के प्रसिद्ध व्यवसायी, समाजसेवी श्री सुशील शर्मा, राजस्थान फांउडेशन दुबई चैप्टर के अध्यक्ष श्री अमराराम जांगिड, अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, प्रदेश सभा राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष श्री घनश्याम शर्मा, महासभा के पूर्व प्रधान श्री रविशंकर शर्मा, राजस्थान प्रदेश सभा की महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष श्रीमती रेणू जांगिड, वरिष्ठ आरएएस अधिकारी श्री मुकुट बिहारी जांगिड आदि शामिल हैं।

समारोह में सभी अतिथियों के मंचासीन होने के पश्चात खास मेहमानों द्वारा भगवान विश्वकर्माजी के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर उनकी आरती की गई। उसके पश्चात समिति पदाधिकारियों द्वारा मंचासीन मेहमानों का मोतियों की माला एवं पुस्तकों का एक सेट उपहार स्वरूप भेंट कर उनका स्वागत किया गया।

अपने स्वागत भाषण में समिति अध्यक्ष श्री सुभाष शर्मा ने बताया कि नई कार्यकारिणी ने दिनांक 1 अप्रैल 2026 को कार्यभार ग्रहण किया है। इन 40 दिनों में लगभग 200 नये सदस्य समिति से जुड़ चुके हैं। साथ ही समिति के भूतल पर स्थित सभागार में एसी लगाकर उसे वातानुकूलित कर दिया गया है। साथ ही भूतल के सभागार में आहूजा कंपनी का ऑडियो एवं पब्लिक अनांउसमेंट सिस्टम स्थापित कर दिया गया है। छात्रावास के लिये व्यवस्थापक नियुक्त कर दिये गये हैं। कार्यकारिणी में विभिन्न विभागों से भिन्न भिन्न प्रकार की योग्यताओं वाले व्यक्तियों को शामिल किया गया है जो अपने

अपने क्षेत्र में विशेषज्ञता रखते हैं और समाज सेवा के लिये समर्पित है। साथ ही अनुभव और जोश का समन्वय स्थापित करते हुए वरिष्ठ एवं युवा सदस्यों की संख्या का भी संतुलन रखा गया है। अध्यक्ष महोदय ने बताया कि समिति की वेबसाइट भी तैयार हो गयी है और उस पर ऑनलाइन सदस्यता फॉर्म के माध्यम से तुरंत घर बैठे सदस्यता प्राप्त की जा सकती है।

प्रदेशाध्यक्ष श्री घनश्याम शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि कई वर्षो बाद ऐसी ऊर्जावान कार्यकारिणी समिति को मिली है और आज का यह समारोह इस बात का प्रतीक भी है। विशिष्ट अतिथि श्री अमरराम जांगिड ने कहा कि समाज के कार्मिकों के हित के लिये यह संस्था एक अनुपम उदाहरण पेश कर रही है।

अपने अध्यक्षीय उद्‌बोधन में संस्थापक अध्यक्ष श्री सूरजमल केड़वाल ने आरंभिक दिनों में आई चुनौतियों और समिति की लंबी यात्रा पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि के रूप में समारोह को संबोधित करते हुए श्री आर एन अरविंद ने बताया कि समिति के सभी पूर्व अध्यक्षों ने अपने अपने तरीके से योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि श्री सुभाष चंद शर्मा प्रारंभ से ही इस समिति से जुड़े हैं और उनके कार्यकाल में समिति एक नया मुकाम हासिल करेगी।

अपने उद्‌बोधन में विशिष्ट अतिथि श्रीमती रेणू शर्मा ने सुझाव दिया कि समिति की वेबाइट पर एक समस्या समाधान पोर्टल भी बनाया जाना चाहिये जिससे समाज के बंधुओं की विभिन्न सरकारी समस्याओं का समाधान संबंधित कार्मिकों द्वारा किया जा सके। साथ ही उन्होने महिलाओं को भी आगे लाने के लिये विभिन्न सुझाव दिये।

समारोह में मुख्य अतिथि श्री आर एन अरविंद ने जिन कार्यकारिणी सदस्यों को शपथ दिलाई उनके नाम इस प्रकार हैं- उपाध्यक्ष श्री रमेश प्रकाश शर्मा, उपाध्यक्ष श्री शंकर लाल सुथार, उपाध्यक्ष श्री मोहन लाल जांगिड, कोषाध्यक्ष श्री कैलाश चंद्र जांगिड, विशिष्ट सलाहकार डॉ कैलाश चंद्र अठवासिया, संयुक्त सचिव एवं कार्यालय मंत्री श्री मुकेश जांगिड, संगठन मंत्री श्री मनोज कुमार जांगिड, श्री राजेश सोनानिया एवं श्रीमती जांगिड, प्रचार मंत्री एवं सह-कोषाध्यक्ष श्री सी एल जांगिड, प्रचार मंत्री श्री सुरेश कुमार शर्मा, श्री मातादीन जांगिड, श्री बाबूलाल शर्मा, श्री राजेश कुमार जांगिड, श्री विकास जांगिड, कार्यकारिणी सदस्य श्री मुकेश जांगिड, श्री रमेश कुमार जांगिड एवं श्री विपिन शर्मा। अध्यक्ष के रूप में श्री सुभाष चंद शर्मा को चुनाव अधिकारी एडवोकेट श्री बी सी रावत द्वारा चुनाव के दिन ही शपथ दिलाई जा चुकी थी। अध्यक्ष महोदय द्वारा श्री रमेश चंद्र शर्मा को कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में एवं डॉ दिनेश जांगिड 'सारंग' को महामंत्री के रूप में पहले ही शपथ दिला दी गई थी।

इस समारोह में विशेष बात यह रही कि समिति के सभी पूर्व अध्यक्ष यथा श्री सूरजमल केड़वाल, श्री आर एन अरंविद, श्री आर.डी. शर्मा, श्री मांगीलाल जांगिड, श्री सीताराम जांगिड, श्री उमेश शर्मा, श्री ब्रजकिशोर शर्मा आदि उपस्थित रहे। इसके अलावा राजस्थान प्रदेश सभा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष श्री लखन शर्मा एवं श्री संजय हर्षवाल भी उपस्थित रहे। जयपुर जिलाध्यक्ष श्री मुकेश झाझवाड़, पूर्व चुनाव प्रभारी श्री नंदलाल खंडेला, वरिष्ठ से.नि. आरएएस श्री देवेन्द्र शर्मा, चुनाव अधिकारी श्री बी सी रावत, समिति के पूर्व पदाधिकारी, निवर्तमान कार्यकारिणी सदस्य, समिति के अनेक वरिष्ठ सदस्य आदि उपस्थित रहे।

इस समारोह में समिति के भूतल के सभागार एवं बेसमेंट के सभागार के लिये ए.सी. लगाने की भी घोषणाएं हुई। विशिष्ट अतिथि श्री अमरराम जांगिड एवं जोधपुर के श्री जीवाराम जी रालड़िया द्वारा दो-दो एसी, श्री सुशील शर्मा, श्री संजय हर्षवाल, श्री सीताराम जांगिड, श्री सुभाष चंद शर्मा, डॉ दिनेश जांगिड 'सारंग', द्वारा एक-एक एसी की घोषणा की गई।

इस कार्यक्रम का संचालन समिति के महामंत्री डॉ दिनेश जांगिड 'सारंग' द्वारा किया गया। समारोह के अंत में धन्यवाद ज्ञापन समिति के कार्यकारी अध्यक्ष श्री रमेश चंद्र शर्मा द्वारा किया गया। अंत में सभी मेहमानों ने सामूहिक स्वरूचि भोज का आनंद लिया एवं इस प्रकार एक शानदार समारोह का समापन हुआ।

शिक्षा के क्षेत्र में एक अद्वितीय आयोजन- प्रथम अखिल राजस्थान विश्वकर्मा सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता

हमारे समाज में शिक्षा के क्षेत्र में और बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिये तैयार करने की दिशा में एक अद्भुत, अभूतपूर्व एवं क्रांतिकारी प्रयोग हुआ है प्रथम अखिल राजस्थान विश्वकर्मा सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता के रूप में। पूरे राज्य में एक साथ 70 परीक्षा केन्द्रों पर लगभग 13000 बच्चों के नामांकन के साथ आयोजित यह प्रतियोगिता शिक्षा के क्षेत्र में अब तक का सबसे बड़ा एवं व्यवस्थित, अनुशासित आयोजन रहा।

परिकल्पना–

इस पूरे आयोजन की परिकल्पना एवं पटकथा के सूत्रधार रहे भारतीय राजस्व सेवा के अधिकारी डॉ दिनेश जांगिड 'सारंग'। यह परीक्षा इनके ही दिमाग की उपज है। इन्होंने युवाओं के संगठन विश्वकर्मा युवा मित्र मंडल के बैनर तले इस परीक्षा का आयोजन पूरे राज्य में करने का बीड़ा उठाया। इसके लिये इन्होंने अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, प्रदेश सभा जयपुर के अध्यक्ष श्री घनश्याम शर्मा से संपर्क कर प्रदेश सभा को भी इस मुहिम से जुड़ने का आग्रह किया ताकि महासभा की जानकारी बच्चे बच्चे तक पहुंचे। इसी क्रम में श्री विश्वकर्मा जांगिड कर्मचारी समिति एवं अन्य संस्थाओं से भी सहयोग लेकर इस कार्य को सबके साथ मिलकर अंजाम देने का निश्चय किया।

प्रक्रिया–

परीक्षा के लिये विश्वकर्मा युवा मित्र मंडल की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन की व्यवस्था की गई। परीक्षा में आवेदन के लिये दो ग्रूप बनाये गये- एक जुनियर ग्रूप जिसमें कक्षा 6 से लेकर 8 तक के बच्चे रहे वहीं दूसरा सीनियर ग्रूप जिसमें कक्षा 9 से 12 तक के बच्चों को शामिल किया गया। दोनों ग्रूप के लिये अलग अलग प्रश्न-पत्र तैयार किये गये।

बच्चों को पहले से ही पाठ्यक्रम बता दिया गया। यह पाठ्यक्रम प्रतियोगी परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए बनाया गया। साथ ही इसमें समाज और सामाजिक संस्थाओं से संबंधित प्रश्न भी पूछे गये जिससे बच्चे अपने समाज के बारे में भी जान सके।

परीक्षा के उद्देश्य-

1. हमारे समाज के बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिये शुरूआती स्तर पर ही तैयार करना।
2. समाज के होनहार बच्चों को पुरस्कार राशि देकर प्रोत्साहित करना।
3. परीक्षा के माध्यम से होनहार बच्चों की छंटनी कर उन्हें आगे बढ़ने के लिये मार्गदर्शन देने के लिये एक टीम तैयार करना और बच्चों को उनके करियर के लिये स्नात्तक स्तर तक मार्गदर्शन देते रहना।
4. छोटे बच्चों को प्रतियोगी परीक्षा में बैठना, ओएमआर शीट से परिचय करवाना, उनको प्रतियोगिता जैसा ही माहौल देना, बच्चों को यूपीएसी एवं आरपीएससी के पैटर्न की जानकारी देना।
5. समाज की भावी पीढी को इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से समाज एवं सामाजिक संस्थाओं से जोड़ना।

बच्चों के लिये प्रोत्साहन-

इस परीक्षा में दोनों समूहों- सीनियर एवं जूनियर में राज्य में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले परीक्षार्थियों को नकद 31000, 21000 एवं 11000 रू. के पुरस्कार दिये जायेंगे। साथ ही संभाग स्तर एवं केन्द्र स्तर पर भी 5100 से 1100 रू. तक के विभिन्न पुरस्कार घोषित किये गये हैं। साथ ही जो टॉपर बच्चे हैं उनकी मेंटरशिप का भी एक विस्तृत प्लान तैयार किया जा रहा है।

क्रियान्वयन एवं टीम –

इस प्रतियोगिता के लिये फरवरी महिने से ही आवेदन का कार्य शुरू हो गया। प्रदेश स्तर पर घनश्याम जी शर्मा ने सभी जिलाध्यक्षों से बात कर जिला स्तर पर जिला प्रभारी निर्धारित किये। कई जिला प्रभारी डॉ दिनेश सारंग द्वारा चयनित किये गये। इस तरह पूरे राज्य के सभी 41 जिलों में लगभग 120 जिला प्रभारीगण बनाये गये जिन्होने अपने अपने जिलों में बच्चों को इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिये प्रोत्साहित किया। कई जिला प्रभारी तो दिन रात घूम घूम कर घर घर जाकर बच्चों से आवेदन करवाते रहे। इस तरह सभी के प्रयास से ऑफलाइन एवं ऑनलाइन मिलाकर लगभग 13000 नामांकन प्राप्त हुए। इस दौरान संयोजक डॉ दिनेश 'सारंग' के साथ कई बार जिला प्रभारियों की ऑनलाइन बैठकें आयोजित की गई और परीक्षा के लिये अधिक से अधिक नामांकन तथा अनुशासन के साथ इसे आयोजित करने की रणनीतियां बनाई गयी। सभी प्रभारी अपने अपने हिसाब से इस प्रतियोगिता में मजबूती से जुड़े रहे।

दिनांक 12 अप्रैल 2026 को नामांकन की अंतिम तिथि थी। इसके बाद परीक्षा का दूसरा चरण आरंभ हुआ। जिला प्रभारियों एवं समाज बंधुओं के आग्रह पर अब प्रत्येक जिला मुख्यालय के बजाय पूरे राज्य में कुल 70 परीक्षा केन्द्र बनाये गये। डीडवाना-कुचामन एवं चित्तौड़गढ जिले में कुल 7-7 परीक्षा केन्द्र बने। बाड़मेर में 5, जैसलमेर, नागौर और जालौर में 3-3, सीकर, दौसा, सवाई माधोपुर, श्रीगंगानगर, जयपुर, झुंझुनूं, कोटपुतली-बहरोड़ में 2-2 परीक्षा केन्द्र एवं इनके अलावा प्रत्येक जिला मुख्यालय पर एक एक परीक्षा केन्द्र रखा गया। चित्तौड़ जिला नामांकन में प्रथम रहा वहीं डीडवाना-कुचामन दूसरे स्थान पर रहा।

मुख्य आयोजन-

परीक्षा 3 मई 2026 को प्रातः 11 बजे आयोजित की गई। इसके लिये व्यापक स्तर पर तैयारियां की गई। 70 परीक्षा केन्द्रों के 70 परीक्षा प्रभारी बनाये गये। साथ ही प्रत्येक केन्द्र पर एक एक केन्द्राधीक्षक भी नियुक्त किया गया। 70 परीक्षा केन्द्रों पर जयपुर से 70 ऑबजर्वर भी भेजे गये जो परीक्षा का प्रश्न-पत्र सीलबंद करके जयपुर से लेकर गये, शांतिपूर्ण, पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ परीक्षा करवा कर वापस ओएमआर शीट जयपुर लेकर आये। यह ध्यान रखा गया कि किसी भी जिले में उस जिले का कोई भी व्यक्ति ऑबजर्वर बनके नहीं जाये। कई परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा केन्द्र सहप्रभारी एवं सह-केन्द्राधीक्षक भी मनोनीत किये गये। इस प्रकार लगभग 300 व्यक्तियों की एक अनुभवी टीम तैयार की गयी जिसके जिम्मे इस परीक्षा का आयोजन होना था।

परीक्षा को बदला सामाजिक उत्सव में-

कई केन्द्रों पर भामाशाहों के सहयोग से स्थानीय संगठनों ने परीक्षा केन्द्र पर उत्सव का माहौल बना दिया। हरेक केन्द्र पर बच्चों का भव्य स्वागत हुआ। कई जगह बैंड-बाजे तक मंगवाये गये। बच्चों और अभिभावकों के लिये खाना बनाया गया तो कहीं उनके लिये नाश्ते की व्यवस्था की गई। कई स्थानों पर जिलाध्यक्षों ने बच्चों के लिये बहुत ही शानदार व्यवस्था की। समाज ने इस परीक्षा को एक उत्सव का रूप दे दिया।

इस परीक्षा में बच्चों एवं अभिभावकों ने बड़े ही उत्साह से भाग लिया। भीषण गर्मी, नीट की परीक्षा एवं अन्य कई कारणों के उपरांत भी लगभग 75 प्रतिशत उपस्थिति रही जो एक उल्लेखनीय उपलब्धि है।

परीक्षा केन्द्रों पर समाज एवं देश-प्रदेश की जानी मानी हस्तियों ने शिरकत की। खैरथल-तिजारा केन्द्र पर अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के प्रधान श्री रामपाल शर्मा पूरे समय अन्य समाजों के प्रतिष्ठित नेताओं के साथ उपस्थित रहे तो जयपुर केन्द्र पर प्रदेश अध्यक्ष श्री घनश्याम पंवार ने अपनी उपस्थिति दी। श्रीडूंगरगढ परीक्षा केन्द्र पर विश्वकर्मा कौशल विकास बोर्ड के चैयरमेन श्री रामगोपाल सुथार ने अपना समय दिया। पोकरण केन्द्र पर वर्तमान विधायक श्री प्रताप पुरी महाराज न केवल उपस्थित रहे बल्कि उन्होंने बच्चों को भी संबोधित किया। जैसलमेर केन्द्र पर विधायक श्री छोटूसिंह जी उपस्थित रहे। अधिकतर जिलों के जिलाध्यक्ष एवं अन्य संस्थाओं के पदाधिकारी भी अपने अपने परीक्षा केन्द्रों पर उपस्थित रहे।

परीक्षा समापन–

परीक्षा 3 मई को ठीक 11:00 बजे आरंभ हुई और दोपहर 12:40 बजे पर इसका समापन हुआ। तुरंत विडियोग्राफी करते हुए ओएमआर शीट वापस बंद की गई। विडियोग्राफी करते हुए ही प्रश्न–पत्रों के सीलबंद लिफाफे खोले गये थे। पूरे राज्य में बिना किसी भी चूक या पक्षपात के पारदर्शी तरीके से परीक्षा संपन्न हुई। सभी ऑबजर्वर ओएमआर शीट को सीलबंद करके 1 बजे बाद वापस जयपुर के लिये निकल पड़े।

आयोजन से सीख एवं फायदे–

यह पूरा आयोजन योजनाबद्ध तरीके से इस प्रकार आयोजित हुआ मानो कोई बहुत बड़ा सरकारी आयोजन हो। पूरे आयोजन के लिये जो योजना बनाई गई वो काबिले–तारीफ है। वेबसाइट पर एडमिन पोर्टल बनाकर हरेक जिला प्रभारी को उसका एक्सेस दिया गया जिससे वो अपने जिले की प्रगति देख सके। इस आयोजन से बच्चों को तो फायदे हुए ही, समाज को भी कई चीजें सीखने को मिली–

1. अगर सभी लोग निस्वार्थ भाव से किसी कार्य में लगे तो कोई भी कार्य असंभव नहीं है।
2. पूरे राज्य में प्रत्येक जिले में एक ऐसी टीम तैयार हो गयी जो एकदम प्रतिबद्ध, सावचेत, सदैव सक्रिय एवं जुझारू है।
3. समाज के सभी लोगों की यह एकमत राय है कि भले ही अन्य कोई आयोजन हो या ना हो लेकिन इस तरह के शैक्षिक आयोजन हर वर्ष होने चाहिये। इसी भावना के अनुरूप इस प्रतियोगिता को भी प्रत्येक वर्ष जारी रखने का संकल्प लिया गया है।
4. समाज में कई लोग ऐसे हैं जिनको समाज के लिये कार्य करने की बड़ी इच्छा है। उन्हें पद की नहीं बल्कि एक उचित प्लेटफार्म की जरूरत है। इस आयोजन से कई ऐसे हीरे निकल कर सामने आये हैं जो धरातल पर काम करने में माहिर है। अब किसी भी शैक्षिक आयोजन में यह टीम और भी बेहतर प्रदर्शन कर सकेगी।
5. इस परीक्षा से यह भी समझ में आया कि एक ग्रूप कक्षा 12 के बाद भी होना चाहिये ताकि जो विद्यार्थी अभी विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं, उन्हें भी फायदा हो।
6. अनेक अभिभावकों का यह सुझाव आया कि इस परीक्षा तैयारी के लिये एक पुस्तक भी तैयार होनी चाहिये और परीक्षा में तर्क–शक्ति, गणित, अंग्रेजी के आधारभूत प्रश्न भी जोड़े जाने चाहिये।

41 जिले, 70 परीक्षा केन्द्र, 70 परीक्षा केन्द्र प्रभारी, 70 केन्द्राधीक्षक, 70 ऑबजर्वर, 120 से अधिक जिला प्रभारी, सैंकड़ो तहसील प्रभारी, ग्राम प्रभारी, जिला सभाओं के जिलाध्यक्ष, विभिन्न संस्थाएं, 13000 से अधिक परीक्षार्थी, उनके हजारों अभिभावक एवं हजारों कार्यकर्ताओं सहित 100000 से अधिक समाज बंधुओं को समायोजित करने वाला यह कार्यक्रम अपने आप में अनूठा एवं बेहद सफल आयोजन है जिसनें बच्चों के बेहतर भविष्य की एक शानदार नींव रखी है।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग से संबंद्ध कार्मिकों का स्नेह मिलन

दिनांक 16 मई 2026 को श्री विश्वकर्मा चिकित्सा प्रकोष्ठ के तत्वावधान में श्री विश्वकर्मा कर्मचारी समिति, मानसरोवर में भव्य स्नेह मिलन समारोह का आयोजन गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के प्रबुद्धजनों, चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े सदस्यों एवं समाज बंधुओं के मध्य आपसी संवाद, सहयोग, सौहार्द तथा संगठनात्मक एकता को और अधिक सुदृढ़ करना था।

समारोह में समाज के अनेक गणमान्य व्यक्तियों, वरिष्ठजनों, चिकित्सकों एवं युवा साथियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। स्नेह और आत्मीयता से परिपूर्ण इस आयोजन में सामाजिक समरसता, स्वास्थ्य जागरूकता, समाजोत्थान तथा संगठन की भावी योजनाओं से जुड़े विभिन्न विषयों पर सार्थक चर्चा एवं विचार-विमर्श किया गया। उपस्थितजनों ने अपने अनुभव, सुझाव एवं विचार साझा करते हुए समाज के सर्वांगीण विकास हेतु सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया।

इस अवसर पर मंचासीन अतिथियों डॉ. श्री रामबाबू जी शर्मा, डॉ. मोहित जी शर्मा, डॉ. महिमा जी शर्मा, डॉ. निशांत जी जांगिड, श्री विश्वकर्मा कर्मचारी समिति के अध्यक्ष श्री सुभाष चंद शर्मा एवं नर्सिंग अधीक्षक प्रभारी श्री ताराचंद जी जांगिड ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में समाज की एकता, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सेवा भावना के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ऐसे स्नेह मिलन समारोह केवल परिचय और संवाद का माध्यम नहीं होते, बल्कि समाज में आपसी विश्वास, भाईचारे एवं संगठनात्मक मजबूती की नींव को और अधिक सुदृढ़ करते हैं।

वक्ताओं ने समाज के प्रत्येक वर्ग को साथ लेकर चलने, युवाओं को सामाजिक गतिविधियों से जोड़ने तथा सेवा, संस्कार एवं सहयोग की परंपरा को निरंतर आगे बढ़ाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी समाज बंधुओं के बीच आत्मीय संवाद एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण ने सामाजिक एकता की भावना को और अधिक प्रबल बनाया।

अंत में सभी उपस्थितजनों ने आयोजन की मुक्त कंठ से सराहना करते हुए इसे अत्यंत सफल, प्रेरणादायक एवं स्मरणीय बताया। यह स्नेह मिलन समारोह सामाजिक एकता, सहयोग, सेवा एवं संगठनात्मक सुदृढ़ता का उत्कृष्ट उदाहरण बनकर समाज के लिए नई ऊर्जा एवं प्रेरणा का स्रोत सिद्ध हुआ।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर कर्मचारी समिति के संगठन मंत्री श्री मनोज कुमार जांगिड ने श्री विश्वकर्मा कर्मचारी समिति, मानसरोवर के अध्यक्ष श्री सुभाष जी शर्मा एवं समस्त कार्यकारिणी का हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि समिति द्वारा प्रदान किए गए सहयोग, मार्गदर्शन एवं आयोजन स्थल की उपलब्धता के कारण यह कार्यक्रम अत्यंत सफलतापूर्वक संपन्न हो सका। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भविष्य में भी समाजहित के ऐसे आयोजनों को समिति का स्नेह, सहयोग एवं मार्गदर्शन निरंतर प्राप्त होता रहेगा।

उन्होंने कार्यक्रम में पधारे सभी अतिथियों, चिकित्सकगण, वरिष्ठजनों, युवा साथियों एवं समाज बंधुओं का भी धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि आप सभी की गरिमामयी उपस्थिति एवं सक्रिय सहभागिता ने इस स्नेह मिलन समारोह को विशेष एवं अविस्मरणीय बना दिया।

श्री विश्वकर्मा जांगिड कर्मचारी समिति, जयपुर

कार्यकारिणी की प्रथम बैठक ऑनलाइन का कार्यवृत्त

श्री विश्वकर्मा जांगिड कर्मचारी समिति की नवनिर्वाचित एवं नवनियुक्त सदस्यों की पहली ऑनलाइन बैठक दिनांक 05-04-2026 को अपरान्ह 01:00 बजे गूगल मीट पर संपन्न हुई।

बैठक का कार्यवृत्त इस प्रकार है-

1. सर्वप्रथम अध्यक्ष महोदय ने सभी उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया और कार्यकारिणी में नवनियुक्त सभी सदस्यों को शुभकामनाएं प्रेषित की।
2. महामंत्री डॉ दिनेश सारंग ने बैठक का संचालन करते हुए सबसे पहले बैठक का एजेंडा सबके सामने प्रस्तुत किया। बैठक का एजेंडा इस प्रकार रहा-

   1. कार्यकारिणी सदस्यों का परस्पर परिचय
   2. बंधुत्व संदेश हेतु सामग्री
   3. कार्यकारिणी शपथ ग्रहण पर चर्चा
   4. प्रथम अखिल राजस्थान सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में कर्मचारी समिति की भूमिका एवं सहयोग पर चर्चा
   5. अध्यक्ष महोदय की अनुमति से अन्य कोई भी विषय
3. सभी सदस्यों के परिचय के बाद महामंत्री डॉ दिनेश सारंग ने जानकारी दी कि आयकर विभाग द्वारा 80जी प्रमाण पत्र को पुनः प्राप्त करने के लिये राजस्थान सरकार में देवस्थान विभाग का प्रमाण पत्र आवश्यक होता है। इसी दिशा में देवस्थान विभाग में आवेदन कर वहां से फॉर्म 7 प्राप्त कर लिया गया है और विभागीय अनुपालना में फॉर्म 7 आज के अखबार में प्रकाशित भी करवा दिया गया है।
4. विशेष आमंत्रित सदस्य एवं वरिष्ठ कार्यकर्ता श्री आर डी शर्मा ने कहा कि समिति कार्यकारिणी की पहली बार ऑनलाइन मीटिंग हो रही है जो समय एवं धन की बचत करती है। यदि समय कम हो तो इस तरह की मीटिंग उपयोगी है।
5. कोषाध्यक्ष श्री कैलाश चंद्र जांगिड ने सदस्यों को यह भी अवगत करवाया गया कि कर्मचारी समिति के बैंक खाते में नये पदाधिकारियों के हस्ताक्षर और मोबाइल नंबर अपडेट करवा दिये गये हैं।
6. कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण पर चर्चा की गई और यह तय किया गया कि 10 मई 2026 को शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन रखा जाये। सभी उपस्थित सदस्यों ने इस पर अपनी सहमति प्रकट की।
7. महामंत्री ने बताया कि अगले माह से बंधुत्व संदेश पत्रिका का प्रकाशन किया जाना प्रस्तावित है। इस पर सभी सदस्यो ने अपनी सहमति प्रदान की। यह तय किया गया कि बंधुत्व संदेश का प्रकाशन कर सभी सदस्यों को विधिवत पूर्व की तरह डाक से भेजा जाये। इसके लिये सभी विद्वान सदस्यों से लेख आदि भी आमंत्रित कर लिये गये हैं। बंधुत्व संदेश पत्रिका के लिये समस्त खर्च विज्ञापनों से निकाला जायेगा ताकि समिति पर अतिरिक्त भार ना पड़े।
8. महामंत्री ने जानकारी दी कि राजस्थान में विश्वकर्मा युवा मित्र मंडल, जयपुर द्वारा प्रथम अखिल राजस्थान विश्वकर्मा सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इसमें अब श्री विश्वकर्मा जांगिड कर्मचारी

समिति भी एक सहयोगी संस्था के रूप में जुड़ गई है। इस परीक्षा में प्रत्येक केन्द्र पर ऑबजर्वर की नियुक्ति होनी है जो अधिकतर सदस्य कर्मचारी समिति की तरफ से ही नियुक्त किये जाने पर सभी ने अपनी सहमति प्रदान की। शिक्षा के इस कार्य में कर्मचारी समिति ने पूर्ण सहयोग देने का संकल्प लिया।

9. महामंत्री डॉ दिनेश सारंग द्वारा यह भी बताया गया कि कर्मचारी समिति के लिये वेबसाइट बनाने का कार्य आरंभ किया जाना प्रस्तावित है। इसके लिये डोमेन नेम लेने, वेबसाइट बनवाने एवं अन्य समस्त कार्यों के लिये महामंत्री को अधिकृत करने पर कार्यकारिणी ने अपनी सहमति प्रदान की। महामंत्री ने बताया कि अगले एक सप्ताह में वेबसाइट अवलोकन के लिये कार्यकारिणी के सामने प्रस्तुत कर दी जायेगी।

10. अध्यक्ष श्री सुभाष शर्मा ने इस महिने में 200 सदस्य नये जोड़ने का आव्हान किया। समिति कार्यकारिणी ने इस पर कार्य करने के लिये सहर्ष सहमति प्रदान की।

11. उपाध्यक्ष श्री शंकरलाल सुथार ने सुझाव दिया कि बाहर के जिलों के अधिकतर सदस्य निष्क्रिय हैं। उनके पास किसी भी प्रकार की कोई सूचना नहीं है। अतः सभी को कर्मचारी समितियों की गतिविधियों से अवगत करवाके उनको वापस सक्रिय करना चाहिये।

12. कार्यकारी अध्यक्ष श्री रमेश चंद्र शर्मा ने कहा कि सचिवालय में जितने भी कर्मचारी एवं अधिकारी हैं उनसे संपर्क किया जायेगा और उनके द्वारा सभी कार्मिकों को कर्मचारी समिति का सदस्य बनने के लिये आमंत्रित किया जायेगा।

13. विशेष आमंत्रित सदस्य श्री अमरसिंह ने कहा कि अभी जयपुर में ही सदस्य बनाने की बहुत संभावनाएं हैं और जयपुर के सभी कार्मिकों तक पहुंचने का संपर्क किया जाना चाहिये।

14. संगठन मंत्री श्री मनोज कुमार जांगिड ने बताया कि एसएमएस एवं चिकित्सा विभाग सहित सभी जगह कार्मिकों से संपर्क कर समिति के सदस्य बनाने का प्रयास किया जायेगा।

15. कोषाध्यक्ष श्री कैलाश चंद्र जांगिड ने बताया गया कि निवर्तमान कोषाध्यक्ष से हिसाब किताब मिला लिया है और आंतरिक अंकेक्षक ने भी इसकी पुष्टि कर दी है।

16. अध्यक्ष श्री सुभाष शर्मा ने सुझाव दिया कि अलग अलग विभाग के हाल में सेवा में आये कर्मचारियों को हम समिति परिसर में स्नेह मिलन के लिये आमंत्रित कर सकते हैं। इससे एक तरफ वो लोग समिति भवन का भी अवलोकन कर सकेंगे और दूसरी और सदस्य भी बन सकेंगे। इसके लिये अलग अलग पत्र महामंत्री के मार्फत भिजवायें जायेंगे।

17. संगठन मंत्री श्री राजेश सोनानिया ने कहा कि हम वर्तमान सदस्यों की सूची को विभाग अनुसार अलग-अलग करके रख सकते हैं जिससे हमें यह जानकारी मिलेगी कि किस विभाग से कितने स्वजातीय कार्मिक समिति के सदस्य है। इसके लिये उन्होंने इस सूची पर कार्य करने की इच्छा जाहिर की।

18. अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक का समापन हुआ।

सभी सदस्यों के लिये सादर सूचनार्थ।

डॉ दिनेश कुमार जांगिड 'सारंग'

महामंत्री

प्रतिलिपि-

1. सभी कार्यकारिणी सदस्यगण
2. कार्यालय फाइल

श्री विश्वकर्मा जांगिड कर्मचारी समिति बैठक का कार्यवृत्त

बैठक दिनांक- 25-04-2026

स्थान- 3/25, वरूण पथ, मानसरोवर, जयपुर

पूर्व निर्धारित एवं पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार दिनांक 25-04-2026 को श्री विश्वकर्मा जांगिड कर्मचारी समिति की कार्यकारिणी की द्वितीय बैठक (प्रथम ऑफलाइन बैठक) समिति के कार्यालय मानसरोवर में आयोजित की गई।

इस बैठक का कार्यवृत्त इस प्रकार है-

1. सर्वप्रथम अध्यक्ष महोदय श्री सुभाष चंद शर्मा ने सभी का स्वागत किया और सभी सदस्यों का परस्पर परिचय करवाया।

2. समिति महामंत्री डॉ दिनेश जांगिड 'सारंग' ने बैठक का विधिवत आरंभ करते हुए सर्वप्रथम मीटिंग के एजेंडा से सबको अवगत करवाया।

3. एजेंडा बिंदू एक पर सभी ने चर्चा की और अंत में यह निर्णय लिया गया कि गर्मी को देखते हुए कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह सीमित तरीके से किया जाये। इसके लिये 10 मई 2026 को सुबह 10 बजे का समय निर्धारित किया गया और अतिथि आदि तय करने की जिम्मेदारी अध्यक्ष एवं

महामंत्री को सौंपी गई। बैठक में यह भी तय हुआ कि उस दिन मेहमानों के लिये खाने की भी व्यवस्था रहेगी। लगभग 200 व्यक्तियों का कार्यक्रम रखा जाये जो अंदर हॉल में ही किया जायेगा।

4. एजेंडा बिंदू 2 पर बोलते हुए महामंत्री ने बताया कि प्रथम अखिल राजस्थान विश्वकर्मा सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन राज्य स्तर पर पहली बार किया जा रहा है जिसमें लगभग 13000 बच्चे भाग ले रहे हैं। इस आयोजन में समिति भी एक सहयोगी सामाजिक संस्था के रूप में कार्य कर रही है। महामंत्री ने बताया कि अब तक लगभग 20 सदस्य इस आयोजन में ऑबजर्वर के रूप में भाग लेने के लिये अपनी सहमति दे चुके हैं। अध्यक्ष महोदय ने भी अधिक से अधिक संख्या में ऑबजर्वर ड्यूटी के लिये सदस्यों से आग्रह किया।

5. एजेंडा बिंदू 3 पर चर्चा के दौरान संगठन मंत्री श्री राजेश सोनानिया एवं श्री मनोज कुमार जांगिड ने आव्हान किया कि हमें अधिक से अधिक सदस्य बनाने पर जोर देना चाहिये। इसके लिये यह तय किया गया कि भापथ ग्रहण समारोह से पहले पहले २०० तक सदस्य बनाये जायें। इसके लिये उपस्थित सभी सदस्यों ने अपने अपने द्वारा बनाये जाने वाले सदस्यों की संख्या का लक्ष्य भी बताया जिसे महामंत्री द्वारा अलग से लिखित में ले लिया गया। अध्यक्ष श्री सुभाश भार्मा ने सभी सदस्यों से आग्रह किया कि सदस्यता अभियान पर विशेश जोर देना आवश्यक है।

6. एजेंडा बिंदू 5 पर चर्चा करते हुए महामंत्री ने बताया कि समिति की वेबसाइट तैयार है और इसका उद्घाटन आईएएस अधिकारी श्रीमान राकेश शर्मा द्वारा कर दिया गया है। वेबसाइट पर सदस्यता के लिये एक फार्म दिया हुआ है जिसमें सभी कार्मिक ऑनलाइन सदस्य बन सकते हैं।

7. संगठन मंत्री श्री मनोज कुमार जांगिड एवं श्री राजेश सोनानिया ने समिति के सदस्यता अभियान को गति देने के लिये जोर दिया। इस अवसर पर सभी उपस्थित सदस्यों ने सदस्य बनाने के लिये अपनी अपनी तरफ से संख्या निर्धारित की जो इस प्रकार है- श्री कैलाश चंद्र शर्मा-5, श्री रमेश चंद्र शर्मा-5, श्री अमरसिंह जांगिड-5, श्री शंकर सुथार-10, श्री राजेश सोनानिया-20, श्री बाबूलाल शर्मा-5, श्री विकास जांगिड-10, श्री रमेश आर्य-5, श्री मातादीन जांगिड-5, श्री मोहनलाल जांगिड-5, श्री हीरालाल जांगिड-5, श्री मनोज कुमार जांगिड-30, श्री मुकेश कुमार जांगिड-20, श्री सी एल जांगिड-10, श्री मुकश जांगिड-10, श्री विपिन शर्मा-5, श्री त्रिलोक शर्मा-5, श्री रामस्वरूप शर्मा-5

8. श्री मोहनलाल जांगिड ने यह सुझाव दिया कि वेबसाइट पर मेट्रिमोनियल का एक सेक्शन भी रखा जाये जिसमें समाज बंधु विवाह योग्य बालक-बालिकाओं की जानकारी प्राप्त कर सके।

अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक का समापन हुआ।

श्री विश्वकर्मा जांगिड कर्मचारी समिति बैठक का कार्यवृत्त

बैठक दिनांक- 10-06-2026

स्थान- 3/25, वरूण पथ, मानसरोवर, जयपुर

दिनांक 10-05-2026 को श्री विश्वकर्मा जांगिड कर्मचारी समिति की कार्यकारिणी की तृतीय बैठक समिति के कार्यालय मानसरोवर में आयोजित की गई।

इस बैठक का कार्यवृत्त इस प्रकार है-

1. सर्वप्रथम अध्यक्ष महोदय श्री सुभाष चंद शर्मा ने सभी का स्वागत किया और सभी सदस्यों का परस्पर परिचय करवाया।
2. समिति महामंत्री डॉ दिनेश जांगिड 'सारंग' ने बैठक का विधिवत आरंभ करते हुए सर्वप्रथम मीटिंग के एजेंडा से सबको अवगत करवाया।

3. बैठक में यह प्रस्ताव रखा गया कि संविधान में संशोधन के लिये एक पांच सदस्यीय समिति बनाई जाये जिसमें विधि विशेषज्ञ भी हो। इस संबंध में महामंत्री को तुरंत आदेश निकालने के लिये अधिकृत किया गया।

4. अध्यक्ष महोदय ने बताया कि समिति भवन में अब ए.सी. लगने के बाद इसकी किराये की दरों में संशोधन आवश्यक है। अतः किराये को अन्य भवनों के साथ तुलनात्मक अध्ययन कर उसी के अनुरूप करने का निर्णय लिया गया। इस संदर्भ में यह तय किया गया कि अगली बैठक तक किराये की दरों पर विचार विमर्श कर उसे अंतिम रूप दिया जाये।

5. महामंत्री ने प्रस्ताव रखा कि बंधुत्व-संदेश का प्रकाशन पुनः प्रारंभ किया जाये। इस पर अध्यक्ष महोदय एवं समस्त कार्यकारिणी ने महामंत्री को इस पत्रिका के संपादक की जिम्मेदारी सौंप कर इस दिशा में समस्त कार्यवाही आगे के लिये महामंत्री को सौंपी। महामंत्री संपादक के रूप में इस पत्रिका का प्रकाशन करवायेंगे एवं इससे संबंधित समस्त कार्य करेंगे।

6. अध्यक्ष महोदय ने बताया कि विभिन्न दानदाताओं से 10 एसी प्राप्त होने के बाद अब उनको दोनों हॉल में लगाने का कार्य चल रहा है। साथ ही भूतल पर स्थित हॉल में एक ऑडियो सिस्टम भी लगा दिया गया है।

7. महामंत्री ने बताया कि वेबसाइट पर ऑनलाइन सदस्यता के साथ साथ ऑनलाइन डायरेक्टरी का भी प्रावधान रखा गया है जिसमें सभी सदस्य और गैर-सदस्य कार्मिक बंधु अपनी जानकारी इसपे साझा कर सकते हैं।

8. महामंत्री ने बताया कि 80 जी प्रमाण पत्र हेतु कार्यवाही आरंभ कर दी गई है। इसके लिये देवस्थान विभाग का पहले पंजीकरण आवश्यक है। इस हेतु मूल संविधान एवं मूल पंजीकरण दस्तावेज सहित अन्य दस्तावेज तैयार करने की प्रक्रिया भी आरंभ कर दी गई है।

9. बैठक में यह भी प्रस्ताव लिया गया कि संभाग स्तर पर कार्य करने के लिये संभाग प्रभारी के रूप में इच्छुक समिति सदस्यों की एक सूची बनाई जाये और उनको यह जिम्मेदारी दी जाये। संभाग प्रभारी फिर आगे योग्य जिला प्रभारियों की तलाश करेंगे। इस प्रकार समिति प्रदेश के हरेक जिले में पहुंचे, यह लक्ष्य निर्धारित किया गया।

10. समिति की वेबसाइट पर एक शिकायत निराकरण पोर्टल खोलने का सुझाव भी आया। इसके लिये विभिन्न विभागों में कार्यरत सदस्यों एवं आम समाज बंधुओं की शिकायतों का निवारण करने का प्रयास समिति के संबंधित कार्मिकों द्वारा किये जाने का प्रयास किया जायेगा।

अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक का समापन हुआ।

श्री विश्वकर्मा जांगिड कर्मचारी समिति बैठक का कार्यवृत्त

बैठक दिनांक- 14-06-2026

स्थान- 3/25, वरूण पथ, मानसरोवर, जयपुर

दिनांक 14-06-2026 को श्री विश्वकर्मा जांगिड कर्मचारी समिति की कार्यकारिणी की तृतीय बैठक समिति के कार्यालय मानसरोवर में समिति अध्यक्ष श्री सुभाष चंद शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

इस बैठक का कार्यवृत्त इस प्रकार है-

1. सर्वप्रथम अध्यक्ष महोदय श्री सुभाष चंद शर्मा ने सभी का स्वागत किया और सभी सदस्यों का परस्पर परिचय करवाया।

2. समिति महामंत्री डॉ दिनेश जांगिड 'सारंग' ने बैठक का विधिवत आरंभ करते हुए सर्वप्रथम मीटिंग के एजेंडा से सबको अवगत करवाया।

3. एजेंडा संख्या एक पर चर्चा करते हुए महामंत्री ने बताया कि पिछली कार्यकारिणी द्वारा 1020 सदस्यों की लिस्ट सौंपी गई थी। उसके बाद लगभग 200 सदस्य पिछले तीन महिनों में बनाये जा चुके हैं और इस प्रकार यह संख्या 1300 पार कर गई है।

4. वर्तमान सदस्यता सूची को अपडेट करने का भी जिम्मा सदस्यों ने लिया। सदस्यों ने अपनी इच्छा से 100-100 सदस्यों की लिस्ट को अपडेट करने का जिम्मा लिया।

5. दिनांक 5 जुलाई 2026 को आयोजित प्रेरणा उत्सव में समिति की तरफ से हर संभव सहयोग का वादा सभी सदस्यों ने किया।

6. नये सदस्यों ने वेबसाइट के माध्यम से जो आवेदन भरे वो सभी फार्म डाउनलोड कर उन सब पर कार्यकारिणी में चर्चा की गई एवं योग्य सदस्यों को सदस्यता संख्या प्रदान की गई।

7. समिति भवन में नवीन किराया दरें तय की गई। इस संबंध में फिलहाल अभी दो माह के लिये प्रयोग के तौर पर एक किराया सूची जारी की गई है। इस किराये के हिसाब से अगर किरायेदार आते हैं तो ठीक है अन्यथा अगली बैठक में इस पर पुनर्विचार किया जा सकेगा। यह सूची एवं शर्तें इस प्रकार हैं-

भवन किराया सूची, दिनांक-15-06-2026 से प्रभावी

क्र	समारोह	किराया अन्य समाज	जांगिड समाज
1	शादी समारोह		
	• पहला दिन	15000	11500
	• दूसरा दिन	13000	10000
	• तीसरा दिन	11000	8500
2	पार्टी- रिटायरमेंट, जन्मदिन, महिला संगीत आदि सहित अन्य एक दिवसीय समारोह	8100	6100
3	तीये की बैठक, भोजन सहित	6100	4100
4	तीये की बैठक, ब्लड कैंप आदि (बिना भोजन)	3100	2100
5	औपचारिक बैठक, तीन घंटे हेतु	2100	1500
6	भजन संध्या/ब्लड कैंप (खाना सहित)	5100	4100
7	12वें दिन का कार्य, खाने के साथ	7100	5500
8	भागवत कथा, 8 दिन	75000	61000

नोट-

1. साफ सफाई के लिये 1500 रू. अतिरिक्त देने होगें।
2. बिजली का बिल कॉमर्सियल रेट पर आता है। अतः बिजली बिल के लिये प्रति युनिट 15 रू देने होंगे।
3. मद संख्या 5 में बैठक हेतु भूतल का हॉल दिया जायेगा लेकिन उसमें किसी भी प्रकार का भोजन आदि नहीं होगा और हॉल में प्रवेश से पूर्व जूते चप्पल आदि बाहर ही उतारने होंगे।
4. बिजली की रिडिंग प्रोग्राम शुरू होने पर एवं समाप्त होने पर ली जायेगी।
5. बिजली बिल के अलावा समस्त राशि का 50 प्रतिशत बुकिंग के समय एडवांस में जमा करवाना होगा।
6. बुकिंग स्वीकार करने एवं ना करने के समस्त अधिकारी श्री विश्वकर्मा जांगिड कर्मचारी समिति की कार्यकारिणी के पास होंगे।
7. किसी भी प्रकार के विवाद की स्थिति में समिति कार्यकारिणी का निर्णय अंतिम होगा।
8. यह दरें समिति की कार्यकारिणी द्वारा अनुमोदित हैं।

किसी व्यक्ति विशेष को आर्थिक कारणों से कितनी भी छूट देने के लिये कर्मचारी समिति की कार्यकारिणी अधिकृत होगी। बिना कार्यकारिणी की सहमति के किसी को भी कोई अतिरिक्त छूट नहीं दी सकेगी।

श्री विश्वकर्मा जांगिड कर्मचारी समिति, जयपुर

कार्यकारिणी कार्य प्रगति तिमाही रिपोर्ट-अप्रैल-जून

श्री विश्वकर्मा जांगिड कर्मचारी समिति की नई कार्यकारिणी ने अपना कार्यभार दिनांक 1 अप्रैल 2026 को ग्रहण किया। उसके बाद की तिमाही प्रगति रिपोर्ट इस प्रकार है-

1. सदस्यता-समिति कार्यकारिणी को 1020 सदस्यों की सूची सौंपी गई थी। उसके बाद कार्यकारिणी ने इस तिमाही में 200 से अधिक नये सदस्य बना लिये हैं।
2. सभागार बने वातानुकूलित-समिति परिसर में स्थित अंगिरा भवन के भूतल एवं बेसमेंट के दोनों सभागार में कुल 10 ए.सी. लग चुके हैं। इस प्रकार अब दोनों हॉल वातानुकूलित होने से गर्मी के मौसम में यहां कार्यक्रम आयोजित करने में सभी को सहुलियत होगी एवं समिति की आय भी बढ़ेगी।
3. समिति वेबसाइट का उद्घाटन- समिति की प्रोफेशनल तरीके से वेबसाइट बनवा कर पहली बार उसमें ऑनलाइन सदस्यता का फॉर्म भी जोड़ा गया है। इस वेबसाइट पर समिति की संपूर्ण जानकारी, समस्त गतिविधियां, सदस्यता सूची आदि भी उपलब्ध है। कई नये फीचर भी भविष्य में लाये जा रहे हैं।
4. सभागार में सांउड सिस्टम- भूतल पर स्थित सभागार में आहूजा का पब्लिक एड्रेस एवं ऑडियो सिस्टम लगा दिया गया है। इससे अब आयोजित होने वाले समारोहों में बार बार बाहर से माइक सेट एवं साउंड सिस्टम नहीं लाना पड़ेगा।
5. पानी की टंकियों की सफाई-समिति भवन की छत पर स्थित पानी की टंकियों में अत्यंत गंदगी एवं नमक के केमिकल जमे हुए थे। सभी टंकियों की प्रोफेशनल तरीके से सफाई करवाई जा चुकी है।
6. पानी मोटर मरम्मत- समिति भवन की पानी की मोटर खराब चल रही थी। उसकी मरम्मत करवा दी गई है।
7. सीढ़ियों एवं फर्श की केमिकल से सफाई- बरसों से गंदे हो चुके फर्श एवं सीढ़ियों की प्रोफेशनल श्रमिकों से केमिकल द्वारा साफ सफाई करवाई गई।
8. 80जी हेतु कार्य आरंभ- समिति को पुनः आयकर अधिनियम के तहत 80जी प्रमाण-पत्र दिलवाने के लिए आवश्यक कार्यवाही आरंभ कर दी गई है। 80 जी के लिये देवस्थान विभाग का पंजीकरण आवश्यक होता है। उसके लिये आवेदन कर देवस्थान विभाग से पेशी की तारीख ले ली गई है।
9. विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन- समिति परिसर में अब तक पांच बड़े कार्यक्रम आयोजित हो चुके हैं। कार्यभार ग्रहण समारोह, भामाशाह शंकरजी कुलरिया का स्वागत समारोह, समिति कार्यकारिणी का शपथ-ग्रहण समारोह, सचिवालय कार्मिकों का अभिनंदन समारोह एवं चिकित्सा-स्वास्थ्य विभाग के कार्मिकों का स्वागत समारोह।
10. कार्यकारिणी की मासिक बैठकें- कार्यभार ग्रहण करने के बाद अब तक समिति कार्यकारिणी की चार मासिक बैठकों का आयोजन किया जा चुका है जिसमें विभिन्न महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये एवं समस्त कार्यों का अनुमोदन भी कार्यकारिणी द्वारा करवाया गया।

बहु-आयामी व्यक्तित्व का निर्माण कैसे करें।

पिछले दिनों मानसरोवर स्थित भगवान विश्वकर्मा के श्री चरणों में आयोजित एस.एम.एस. चिकित्सक कर्मचारी स्नेह मिलन कार्यक्रम में सम्मिलित होने का शुभ अवसर मिला। सुन्दर आयोजन मे चर्चा में भाग लेते हुए जाँगिड़ बंधुओं के तीन विशिष्ट गुणों ईमानदारी कार्यकुशलता एवं सच्चाई का वर्णन किया गया। आईये इसी विषय को थोड़ा आगे बढ़ाते हुए अन्य उत्तम मानवीय गुणों के विकास पर चिंतन करते हैं। आइये हम एक-एक आयाम जोड़ते चलते हैं।

विनय शीलता एवं विनम्रताः उपरोक्त गुणों से युक्त होकर कई बार हम लोग ज्यादा दृढ़, ज्यादा स्पष्टवादी एवं कुछ अधिक ही लकीर के फकीर हो जाते हैं। इसके कारण कभी-कभी हमारे कार्यालय में ग्राहयता एवं स्वीकार्यता कम हो जाती है, तथा अकेले पडने की आशंका बनी रहती है। उपरोक्त गुणों में विनम्रता जुड़ जाने से आपकी स्वीकार्यता बढेगी और लोकप्रिय हो जायेंगे।

"चलो सच बोलने वालों से रिश्ता कर लिया जाये
खुद अपने आपको ज़माने से तन्हा कर लिया जाये।"

परनिंदा से दूरीः बंधुगण, हम जाने अनजाने कारणवश या अकारण ही लोगों की निंदा में सम्मिलित हो जाते हैं। जो आदमी निंदा खोजने निकला है वह गुलाब की झाड़ी में काँटों की गिनती कर लेगा। जो आदमी फूल को देखने निकला है वह फूल की खुशबू से ऐसा रस विमुग्ध हो जायेगा, कि उससे यह दिखाई पडेगा कि काँटे ज़रुर भगवान ने फूलों की रक्षा के लिए बनाये होंगे।

दोस्तों हर मानव में गुण एवं दोष दोनों विद्यमान हैं यहां तक कि देवताओं में भी। यदि आप अपने स्वार्थ की पूर्ति न होने पर निंदा कर रहे हो तो आप भी इसी पाप में बराबर के भागीदार है। मेरी सलाह है कि निंदारूपी अवगुण से दूरी बनाऐं तो श्रेयष्कर रहेगा।

"चमन को सींचने में कुछ पत्तियाँ झड़ गयीं होंगी,
यही इल्ज़ाम लग रहा है हमपर बेवफाई का।
चमन को रौंद डाला जिन्होने अपने पैरों से,
वही दावा कर रहे हैं अपनी रहनुमाई का।"

स्वयं से सामूहिकता की और बढ़ें : मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। भारतीय संस्कृति अपनी परिवार पद्धति एवं सनातन संस्कृति के लिए सदियों से जानी जाती रही है। जब भी माता-पिता बच्चा दिखाने मुझे आते हैं तो भर्ती के लिए कहते ही मजबूरी बताते हैं कि सर हम अकेले हैं घर की देखभाल कौन करेगा इसलिए भर्ती नहीं करवा सकते। कोई भी मुसीबत आती है तब हमें परिवार एवं समाज की मदद की जरुरत पड़ती है। इसलिए मेरा अनुरोध है कि परिवार एवं समाज से जुड़े रहें। सामाजिक कार्यों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लें। आगे होकर लोगों की मदद करें आप कभी भी अपने को अकेला नहीं पाओगे।

"तुम्हारी बज़्म के बाहर भी एक दुनिया है,
मेरे हुज़ूर, बड़ा जुर्म है ये बेखबरी।"

अहंकार का परित्याग करें : आजकल लोग छोटी मोटी सरकारी नौकरी लग जाये या व्यवसायिक क्षेत्र में उपलब्धि प्राप्त कर ले तो टेढ़े होकर चलने लगते हैं। पूर्व के अपने परिवार या साथियों जो कि किसी कारणवश इस प्रकार की सफलता नही प्राप्त कर पाये उनको अपने पद व पैसे का रौब दिखाने लग जाते हैं। बात-बात में अपनी शेख़ी बघारते है एवं धन वैभव का वर्णन करते नही थकते। इस दुनिया में एक से बढ़कर एक धनवान एवं सफल लोग हैं। आपसे कई गुना योग्य एवं अमीर लोग हैं। अतः आप अपना व्यवहार ना बदलें। सौहार्द बनाये रखें, ऐसा करने पर आपकी सफलता मे चार चाँद लग जायेंगे।

"बड़ा शौक था उसे मेरा आशियाना देखने का,
जब देखी मेरी गरीबी तो रास्ता बदल लिया।"

बनिये थोड़ा उदारमना : अब आप कहेंगे कि ये उदारमना क्या है ? मैं कहूँगा कि किसी की छोटी सी गलती या किसी से थोड़ी सी अनबन हो जाये तो उसको नज़र अन्दाज़ करें, अनावश्यक तूल नही देवें। हो सके तो ऐसी बातों को एक तरफ रखकर स्वयं पहल करके अभिवादन करें। आगे से बातचीत शुरु करें या कोई सकारात्मक संदेश भेजकर रिश्तों को बचाऐं। अंत मे छोटे-छोटे वाक्य हैं पर हैं बहुत काम के।

स्वागत है आपका, आपका ह्दय से आभार, आज आप बहुत अच्छे लग रहे हैं या आपके द्वारा किया गया फलाँ-फलाँ कार्य बहुत साहसिक था, एवं मेरी गलती के लिए मैं आपसे क्षमा मांगता हूँ,.......आदि का प्रयोग रिश्तों को सामान्य बनाये रखने के लिए अक्सर प्रयोग में लाते रहिए।

"ना जाने कौनसा जादू है तेरे लहज़े में,
तू बोलता है तो सारी दुनिया ख़रीद लेता है।"

मित्रों मानव मात्र के अनेक ऐसे दुलर्भ गुण महान पुरुषों में पाये जाते हैं। जिनको प्राप्त करना व उनका संवर्धन करना हम सबके बस की बात नहीं है, वरना हम भी महापुरुष बन जाते। परन्तु निरन्तर अपनी कमियों को सुधारने की आदत बनी रहे। अच्छे संस्कार, अच्छे क्रियाकलाप, सदव्यवहार एवं सदगुणों का विकास करते रहना चाहिए।

यही मुक्कमल तौर पर अपने आपको प्रतिस्थापित करने की एकमात्र कुंजी है।

"जिन्दगी अधूरी ख्वाहिशों का कारवां है,
मुक्कमल जहाँ तो, कहानियों मे होता है।"

डॉ.रामबाबू शर्मा
वरिष्ठ-आचार्य
शिशु-औषध

खुद को संभालो-दुनिया संभल जायेगी

आर एन अरविंद, आई.ए.एस. (से.नि.)

हमारी आम समस्या यह है कि हम खुद को संभालते नहीं और दुनिया को संभालने चल देते हैं। खुद का भीतर का प्रबंध ठीक करते नहीं और दूसरों को सीख देने चलते हैं। गांधीजी कोई बहुत प्रतिभाशाली व्यक्ति नहीं थे लेकिन वे हर मामले को पहले खुद पर लागू करके दूसरों पर लागू करते थे। नतीजा यह हुआ कि वे पारदर्शी बन गए और उनका आत्मबल बहुत बढ़ गया। गांधीजी शरीर से सबल नहीं थे और उनके काफी फैसले भी विवादास्पद रहे लेकिन आत्मा से इतने सबल थे कि उनके सामने कोई टिक नहीं पाया। चर्चिल आदि ब्रिटेन के बड़े लोग उनको जादू जैसा प्रभाव डालने वाला फकीर बताने लगे। इस फकीर की धारणाएँ आपको अजीब लग सकती हैं लेकिन उन्होंने खुद का जोरदार प्रबंधन कर लिया और वे अपने जमाने के वन मैन आर्मी बन गए।

यह है खुद के प्रबंधन का कमाल। आज दुनिया उनको हजार साल का सबसे बड़ा आदमी मानती है। मशहूर वैज्ञानिक आइन्स्टाइन ने तो यहाँ तक कहा कि आगे के लोग विश्वास ही नहीं करेंगे कि हाड़-मांस का कोई ऐसा पुतला हुआ भी था।

अलान रूफस ने कहा था- "सबसे अद्भुत वास्तुकला स्वयं के अस्तित्व की वास्तुकला है, जो निरंतर बदलती रहती है, विकसित होती रहती है, गतिशील रहती है और जिसके भीतर असीम सौंदर्य तथा प्रकाश विद्यमान है, जो बाहर की ओर प्रस्फुटित होकर सभी को दिखाई देता है और अनुभव किया जा सकता है।"

स्वामी विवेकानन्द, सरदार पटेल, नेताजी सुभाष बोस, शहीदे आज़म भगत सिंह और चन्द्रशेखर आदि ऐसे नाम हैं जिन्होंने खुद पर नियंत्रण करके जमाने को जीत लिया।

लोहे को सोना करे पारस को पहचान।
मिट्टी को सोना करे पुरुष की पहचान।।

आर.सी. गोपाल

हर व्यक्ति को अपना विवेक काम में लेना चाहिए। कोई व्यक्ति कितना ही महान क्यों न हो, आँखें मूंदकर उसके पीछे न चलिए। यदि ईश्वर की ऐसी ही मंशा होती तो वह हर प्राणी को आँख, नाक, कान, मुँह, मस्तिष्क आदि क्यों देता?

'खुद को कैसे संभालें?' इसके लिए श्रीमद्भगवद्गीता से ज्यादा हमें दूसरी जगह से नहीं मिलेगा। जरा देखें-

सुनो अर्जुन-भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं-

"योग में स्थित होकर अपने कर्तव्य कर्म का पालन करो। आसक्ति का त्याग करो; सफलता और असफलता दोनों में समभाव बनाए रखो, क्योंकि यही स्थिरता योग कहलाती है।"

योगस्थः कुरु कर्माणि सङ्गं त्यक्त्वा धनञ्जय।
सिद्ध्यसिद्ध्योः समो भूत्वा समत्वं योग उच्यते।।

पक्षपात ही सब अनर्थों का मूल है, यह न भूलना। अर्थात यदि तुम किसी के प्रति अन्य की अपेक्षा अधिक प्रीति-प्रदर्शन करते हो, तो याद रखो उसी से भविष्य में कलह का बीजारोपण होगा

- स्वामी विवेकानंद

वाणी सभ्यता का परिचायक

(मनो-सामाजिक आलेख)

संवाद या सम्प्रेषण, मानवीय जीवन का अति महत्वपूर्ण पक्ष है। संवाद में शब्द, अक्षर, ध्वनि, संकेत, हावभाव आदि मिलकर इंसान के परिचय व्यक्त करता है। संवाद में संक्षिप्तता, गहराई, ज्ञान का समावेश, अनुभवों का सार, शुद्धता, गेयता, जरिया, स्थान, श्रोता, दूरी आदि सभी मिलकर प्रभावशीलता उत्पन्न करते हैं।

वाणी, शब्दों से सम्प्रेषित भाव, इंसान के दिल-दिमाग की विचारों की शाब्दिक अभिव्यक्ति है। वाणी ही व्यक्ति के उलझे विचारों की शृंखला प्रदर्शित कर देती है। असहज, गुस्से, लड़ाई आदि के समय वाणी के मूल्य को पहचान सकते हैं। सहज वाणी, इंसान के व्यक्तित्व की पहचान कराती है। वाणी में बालसुलभ प्रकृति होना उत्कृष्ट स्वभाव का परिचायक है। वाणी के सकारात्मक व नकारात्मक भाव नन्हा शिशु, जीव जंतु, पक्षी आदि भी जान लेते हैं तो बड़े और विवेकशील व्यक्ति की बात ही कुछ और। वस्तुतः बोलने से पहले भलीभांति सोचना, मनन करना और फिर सम्प्रेषण करना, सर्वदा अच्छा होता है।

सोच समझ कर बोलिए, कहिये सार्थक बात।
सहज सरल ही बोलिए, लाग-लपेट न घात।।

वाणी ही मित्रता और दुश्मनी का आधार बनती है। वाणी में ही स्नेह-अपनत्व झलकता हैं और वाणी में ही क्रोध, लड़ाई और द्वेष। वाणी में कटुता व द्वेष रूपी जहर घुलकर मानवीय सभ्यता का विनाश का कारण बनती है। अति मीठी और चापलूसी भरी वाणी, सम्बन्धों की जड़ें खोखली करती हैं वहीं कड़वी वाणी दिलों की दूरी बढ़ाती है। यह कटु सत्य है कि परिवार, समाज, देश आदि के विखण्डन में रुखेपन व कड़वी बोली ही मुख्य भूमिका निभाती है।

हमारी संस्कृति में मन, वचन और कर्म को प्रमुखता दी गई है। वाचा, वाक्शक्ति, स्वर, भारती आदि वाणी के मात्र जिह्वा से उच्चारण मात्र नहीं होते। शब्दों की अभिव्यक्ति में एक एक शब्द अपने भावों का समुचित प्रतिनिधित्व करता है। अतः भाषाई शब्दों पर बचपन से अंतिम समय तक सीखने, मनन करने, लिखने या उच्चारित करने बाबत ध्यान देने की महत्ती आवश्यकता होती हैं।

परिवार, समाज, शिक्षा आदि द्वारा दिए गए सुझावों व निर्देशों के अनुसार वाणी को सतत परिष्कृत किया जाता रहना चाहिए। वाणी सुंस्कारित, सुसंस्कृत तथा परिष्कृत होनी चाहिए। यह भी सतत सजगता, सुधार व अभ्यास पर निर्भर करता है।

सुनते है कि 'बोलना चाँदी तो चुप रहना सोना'। परन्तु कई परिस्थितियों में चुप रहना भी गलत है और अति अनर्गल बोलना भी गलत हो सकता है। वस्तुतः इसमें सम्यक स्थिति बनाये रखने की आवश्यकता होती है।

हमारे पुरातन साहित्य, सन्तों की वाणी, महापुरुषों की अभिव्यक्तियों आदि में सम्यक और सही वाणी के बारे में बहुत कुछ कहा गया है। तकनीकी और विज्ञान में भी वाणी के स्वरूप का विश्लेषण भी हमें सही दिशा बताता है। पुनःश्च वाणी के बाबत में संत कबीर दास के सार्वभौमिक सत्य को प्रस्तुत करना चाहूंगा --

ऐसी वाणी बोलिये मन का आपा खोय।
औरन को शीतल करे, आपहुं शीतल होय।।

मोहनलाल जांगिड
प्रिंसिपल सेवानिवृत रीडर, बीकानेर

ठोकरें इन्सान को चलना सिखाती हैं।

राधेश्याम भारतीय

इतिहास गवाह है कि चाहे सफलता हो अथवा अधिकार, ये कभी किसी को सहज ही तश्तरी मे रखकर परोसे नहीं जाते। उन्हें तो व्यक्ति द्वारा अथक श्रम और बुद्धि बल से असफलताओं की बड़ी बड़ी विशाल और कठोर चट्टानों को सतत तोड़ते हुए ही निकालना पड़ता हैं। इतिहास भरा पड़ा है उन अद्वितीय अलौकिक निरन्तर श्रम-शीलवंत लोगों के उदाहरणों से, जो बिना रूके, बिना झुके और बिना थके, काल के कपाल पर लिखी असफलताओं को लकीर दर लकीर मिटाने में जुटे रहे, लेकिन कभी हार नहीं मानी। भले जहां एक ओर असफलताओं की कभी खत्म न होने वाली श्रृंखला रही हो और इसके दूसरी ओर कर्तव्य परायण कर्मठ जीवट के उन धनी लोगों की लम्बी कहानियां भी होती हैं, जो अपने लक्ष्य को पाने में अंतिम सांस तक डटे रहे, निरन्तर लगे ही रहे।

कहते हैं जिस साल कोक बाजार में बिक्री के लिए उतरी उस साल पूरे वर्ष भर में मात्र 400 बोतलें ही बिक पायी थीं। अल्बर्ट आइंस्टीन की पी. एच. डी. डिजरटेशन को अस्वीकार कर दिया गया था। हेनरी फोर्ड को अपनी लोकप्रिय सफलता के लिए दो बार दिवालिया घोषित किया गया था। यूनाइटेड स्टेट का राष्ट्रपति बनने से पहले यूलिसेस एस ग्रांट को असफल होने के कारण, दर्जी के रूप में काम करना पड़ा था। रोडिन को तीन बार आर्ट स्कूल में प्रवेश नहीं मिला था फिर भी वे महान मूर्तिकार बने। अब्राहम लिंकन राष्ट्रपति बनने से पहले सात बार चुनाव हारे थे। बेब रूथ को बेसबाल में सात सौ चौदह होम रन लगाने के लिए एक हजार तीन सौ तीस बार खराब शाट खेलने पड़े थे। होटल ग्रांड ओले ओपरी के मैनेजर जिम्मी डेनी द्वारा ट्रक चलाने की सलाह पाने के बावजूद एल्विस प्रिस्ले महान गायक बना, चेस्टर कार्लसन ने अपनी खोज को बीस कार्पोरेशन को दिखाया गया था, लेकिन सात साल की अनदेखी के बाद उसने एक छोटी सी कम्पनी हेलोइड को कापीराइट बेचकर जेराक्स की शुरूआत की और मिलेनियर बना।

थामस अल्वा एडिसन भी बिजली की खोज के लिए पहले तीन वर्षों के दौरान सात सौ बार किये गये अपने प्रयोगों मे असफल रहे थे। लेकिन एडिसन न उदास हुए, न हताश और न ही निराश। असफलता का दंश झेल रहे, थके हारे अपने सहयोगियों को वे कुछ यूं समझाते रहे, "समझ लो हमसे एक हजार संभावित गलतियां हो सकती थीं तो सात सौ तो हम कर चुके अब तो मात्र तीन सौ ही बची हैं । यानि मात्र 300 दरवाजे ही और टटोलने बचे हैं। ठीक दरवाजा या मंजिल बहुत करीब आ रही है।" और वास्तव में हुआ भी यही । अगले छः महीने बाद ही वे बिजली का आविष्कार करने में सफल हो गये।

विज्ञ पाठक ! कल्पना करें यदि उद्धृत कर्मशील लोगों ने भूलों अथवा गलतियां होने के डर से अपने भावी प्रयोग करने बंद कर दिये होते तो ये सफलताएं जिनकी उपयोगिता से आज मानव सुख सुविधाजनक जीवन जी रहे हैं, वह उन्हें कैसे मिलता। ऐसे अनेकानेक उद्धहरण हैं जिनमे बाधाएं, अवरोध, निराशा, अस्वीकृति और असफल कोशीशें भी कर्मठ लोगों की राह नहीं रोक पायीं बल्कि इन उद्यमी लोगों ने विफलताओं को ही सफलता की सीढ़ी बनाकर जमाने को लक्ष्य हासिल कर दिखाया। निरन्तर श्रम, बिना रुके बिना झुकें और बिना थके 'चरैवेति चरैवेति' ही एकमेव मंत्र है सफलता का। वस्तुतः यही वह खास अंतर है, जो लोगों को मामूली, असफल या सफल अथवा अतिविशिष्ट होने का ताज पहनाता है।

एक निवेदन

डॉ दिनेश जांगिड 'सारंग'

छोटी-सी यह बात
क्यों नहीं समझ तेरे आती
मैं ही जांगिड, मैं ही सुथार
और मैं ही खाती।

छोटा सा है अपना समाज
कर लो कुछ ऐसे काज
बनी रहे सबकी मर्यादा
एकता का करो तुम वादा
सिर्फ नाम के फर्क से
वंश की बेल बदल नहीं जाती
मैं ही जांगिड, मैं ही सुथार
और मैं ही खाती।

विश्वकर्मा हैं देव हमारे
कर्म से आगे बढ़े हम सारे
काष्ठ कर्म से वंश बढ़ा है
फिर कैसे हम हो गये न्यारे
संगठन में ही होती शक्ति
कृष्ण की गीता यही बताती
मैं ही जांगिड, मैं ही सुथार
और मैं ही खाती।

किया विकास और धन कमाया
देश विदेश में नाम है पाया
सबने मिलकर यश है गाया
अब तक सबको गले लगाया
आगे बढ़ने वालों की
बुद्धि कब है पीछे जाती?
मैं ही जांगिड, मैं ही सुथार
और मैं ही खाती।

अगर समाज के हो हितैषी
अलग होने की सोच यह कैसी
गैर तो लगता तुमको प्यारा
और भाई को करते न्यारा
परिवार को जिसने तोड़ा,
सुख-संपति पास ना आती
मैं ही जांगिड, मैं ही सुथार
और मैं ही खाती।

M.D. Sharma

Rajesh Sharma

Ravi Sharma

Design-Fabrication

&

Consultant Engineers

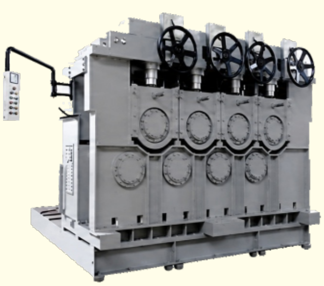

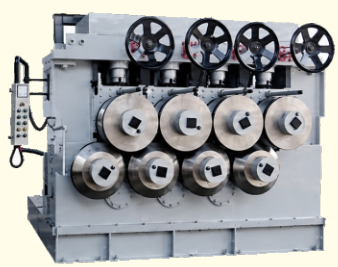

E-51, Road No. 4, V.K.I. Area, Jaipur-302 013 (INDIA)

Phone: 0141-2330672 (O), 2332672 (R), Mobile: +91-98290 15672

Fax: 0141-2260519 E-mail: rajeshjijangid@gmail.com

Website: www.design-fabrication.com

Hitesh Jangir

बंधुत्व संदेश पत्रिका
के पुनः प्रकाशन पर

KCC INFRA PVT LTD

बधाई एवं शुभकामनाएं
प्रेषित करते हैं।

Add.: **C-20A Ambabari Jaipur 302023**

Email : **hitesh@kccinfra.in**

Website : **kccinfra.in**

कार्यकारिणी शपथ–ग्रहण समारोह की झलकियां

श्री विश्वकर्मा जांगिड कर्मचारी समिति के लिये प्रकाशक सुभाष चंद शर्मा द्वारा प्रकाशित
एवं मुद्रक प्रिंटकॉम इंडिया लिमिटेड, चावड़ी बाजार, नई दिल्ली द्वारा मुद्रित